संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-338 बुधवार,09 अक्टूबर 2024, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने वायुसेना दिवस पर वायु योद्धाओं को दी बधाई

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024(ए)। आज का दिन, यानी 8 अक्टूबर भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। आज के दिन ही साल 1932 में भारतीय वायुसेना की स्थापना हुई थी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वायु सैनिकों को शुभकामनाएं दी।
प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे बहादुर वायु योद्धाओं को वायुसेना दिवस की बधाई। हमारी वायु सेना को उनके साहस और व्यावसायिकता के लिए सराहा जाता है। हमारे देश की रक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

अंतरिक्ष से गिरा भारत का रॉकेट, 104 सैटेलाइट लॉन्च कर इसरो ने बनाया था रिकॉर्ड

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024(ए)। 15 फरवरी 2017 की तारीख थी, इसरो ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से पहली बार 104 सैटेलाइट एकसाथ लॉन्च किए थे। लॉन्चिंग पीएसएलव्ही-सी37 रॉकेट से की गई थी. तब से इस रॉकेट का ऊपरी हिस्सा यानी पीएस4 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में तय ऑर्बिट में छोड़ने के बाद चक्कर लगा रहा था। इस हिस्से को लगातार यूएसएसपीएसएसीईओएम लगातार ट्रैक कर रही थी. यह हिस्सा धरती के चारों तरफ 470X494 केएम आकार वाली लगभग अंडाकार कक्षा में चक्कर लगा रहा था। धरती की ग्रैविटी के चलते धीरे-धीरे नीचे आ रहा था। आप इसके नीचे आने का साल-दर-साल का ग्राफ यहां देख सकते हैं।

बेटे संग डांस कर रहे गरबा किंग को आया हार्ट अटैक

मौके पर मौत,पापा को देखता रहा मासूम

पुणे,08 अक्टूबर 2024(ए)। महाराष्ट्र के पुणे से बुरी खबर सामने आई है. यहां मशहूर गरबा डांसर और एक्टर अशोक माली की मौत हो गई। जब वो गरबा डांस कर रहे थे उस वक्त अचानक से वो गिर पड़े। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक,गरबा किंग की हार्ट अटैक से मौत हुई है। अशोक माली की मौत का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। इसमें वो मौत से ठीक पहले अपने बेटे संग गरबा नृत्य करते दिखे। अशोक की मौत से उनके फैन्स को जोरदार झटका लगा है।

ट्रेनी डॉक्टर का नहीं हुआ था गैंगरेप

» संजय रॉय ने अकेले ही वारदात को दिया था अंजाम...

» सीबीआई के चार्जशीट में बड़ा खुलासा...

कोलकाता ,08 अक्टूबर 2024 (ए)।कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में एक नया मोड़ आया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है।

नेशनल कांफ्रेंस 43,बीजेपी 29 और कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत

जम्मू-कश्मीर/हरियाणा,08 अक्टूबर 2024(ए)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव फाइनल आंकड़े सामने आ गए हैं। यहां पर सबसे बड़ी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस बनी है जिसे 42 सीटें मिली हैं। वहीं कांग्रेस को 6 सीटें, जबकि बीजेपी को 29 सीटे मिली हैं। इनके अलावा सीपीआईएम को 1 सीट, पीडीपी को 3, जेपीसी को 1, 'आप' को 1 और निर्दलीयों को 7 सीटें मिली हैं।
घाटी में 10 साल बाद एक बार फिर से चुनाव करवाए गए हैं। इस चुनाव में कुल 63.45 फीसदी वोटिंग हुई है। इस बार के चुनाव में सीधा मुकाबला बीजेपी और एनसी-कांग्रेस के बीच हो रहा था। एग्जिट पोल के सामने आने के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीति का गुणा-गणित भी शुरू हो गया था। तमाम दल किसी भी स्थिति में सरकार बनाने के लिए अपने सहयोगियों और खास तौर पर निर्दलीय उम्मीदवारों को साधने में अभी से जुट गए थे।लेकिन यहां पर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को यहां पर स्पष्ट बहुमत मिला है। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला ने उमर अब्दुल्ला को बतौर राज्य के मुख्यमंत्री पेश कर दिया है। उमर अब्दुल्ला राज्य के अगले सीएम होंगे।

उमर अब्दुल्ला ने जताया आभार

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन के जीत के रुझानों को लेकर उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि मैं बडगाम के मतदाताओं का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे अपने कीमती वोटों से नवाजा, मुझे यहां से कामयाब बनाकर भेजा। जेकेएनसी को पिछले 5 साल से खत्म करने की पूरी कोशिश की गई थी। यहां बहुत से ऐसे तंजीमें खड़ी गई जिनका मकसद था नेशनल कॉन्फ्रेंस को खत्म करना। जो हमें खत्म करने के लिए आए थे, मैदान में उनका खुद ही कोई नामों-निशान नहीं रहा। हमारी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने आप को इन वोटों के लायक साबित करें।

विनेश की ऐतिहासिक जीत,6015 वोटों से जीतीं

हरियाणा विधानसभा चुनाव की सबसे हॉट जुलाना पर भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने बाजी मार ली है। वो यहां से कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में थीं। इस सीट पर सबकी नजर थी। विनेश फोगाट ने कमाल कर दिया है। वो जुलाना सीट से विधायक चुनी गई हैं। 8 अक्टूबर को जब हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी किग गए तो विनेश ने जुलाना में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की। उन्होंने यहां बीजेपी के कैप्टन योगेश बैरागी को 6015 वोटों से हराया। रेसलिंग में दम दिखा चुकीं विनेश अब विधानसभा में जनता की आवाज उठाएंगी। फोगाट की जीत के बाद यहां कांग्रेस खेमे में जश्न का माहौल है। उनके साथी पहलवान बजरंग पूनिया ने एक ट्वीट कर विनेश को जीत की बधाई दी है।

विनेश फोगाट (कांग्रेस)- कुल वोट- 65080
योगेश बैरागी (बीजेपी)- 59065
सुरेंद्र लठेरी (इंडियन नेशनल लोकदल)-10158
अमरजीत ढांडा (जेजेपी)- 2477
कविता रानी (आप)-1280

बीजेपी-कांग्रेस के बीच था रोमांचक मुकाबला

इस सीट पर पहले राउंड में आगे थीं, फिर वो दूसरे राउंड में पिछड़ गईं। छठे चरण तक आगे पीछे होती रहीं. फिर 7वें चरण में उन्होंने बाजी पलटी थी। वो भाजपा उम्मीदवार योगेश कुमार से 38 वोटों से आगे निकल गईं थीं। 8वें चरण में विनेश ने 2147 की बढ़त ले ली और पीछे तेजी से आगे बढ़ती गईं.।आखिरकार उन्होंने 6015 वोटों से जीत दर्ज की है।

कांग्रेस ने खटखटाया चुनाव आयोग का दरवाजा

रिजल्ट अपडेट्स को लेकर शिकायत

हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतगणना के बीच कांग्रेस ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपकर अनुरोध किया कि आयोग अपने अधिकारियों को वेबसाइट को सच्चे और सटीक आंकड़ों के साथ अपडेट करने के लिए तत्काल निर्देश जारी करे ताकि झूठी खबरों और दुर्भावनापूर्ण बयानों का तुरंत मुकाबला किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रक्रिया मतदाताओं के अधिकारों का हनन कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी को बहुमत

फारूक अब्दुल्ला बोले- लोगों ने अपना जनादेश दिया, उमर होंगे अगले मुख्यमंत्री

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के रुझानों के बीच कहा कि लोगों ने अपना जनादेश दे दिया है, उन्होंने साबित कर दिया है कि उन्हें 5 अगस्त को लिया गया फैसला मंजूर नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री होंगे। एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने नतीजों के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, लोगों ने अपना स्पष्ट जनादेश दिया है, और हम शांति, स्थिरता और प्रगति को चुनने के लिए उनके आभारी हैं।

हरियाणा-जम्मू कश्मीर चुनाव नतीजों पर किसने क्या कहा

मल्लिकार्जुन खरगे ने हरियाणा चुनाव के रिजल्ट को बताया अप्रत्याशित

दोनों राज्यों के चुनाव रिजल्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा,जम्मू और कश्मीर के लोगों को कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेन्स गठबंधन को सेवा का मौक़ा देने के लिए हृदय से धन्यवाद। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला जी और उपाध्यक्ष एवं गठबंधन सरकार के मुखिया उमर अब्दुल्ला जी को शानदार जीत की बधाई। यह जनमत जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भाजपा के जनविरोधी नीतियों, जनता के अधिकारों का हनन और उत्पीड़न तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के ख़िलाफ़ दिया है। हमारी गठबंधन सरकार आपकी आकांक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेगी। आपकी ख़ुशहाली और संवैधानिक हकों की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन पूरी तरह संकल्पित है। हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है। पार्टी इस जनमत का आकलन कर रही है। हमारे ज़मीनी कार्यकर्ताओं से बात कर, पूरी जानकारी हासिल करने और तथ्यों को जाँच लेने के बाद पार्टी की तरफ़ से विस्तृत प्रतिक्रिया आएगी। हम हरियाणा के लोगों को कांग्रेस पार्टी को वोट देने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं को निराश होने की ज़रूरत नहीं है। तानाशाही से हमारी लड़ाई लंबी है।

हरियाणा का हृदय से आभार: पीएम मोदी ने दी बधाई

पीएम मोदी ने बीजेपी कार्यर्ताओं को बधाई दी है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हरियाणा का हृदय से आभार! भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत-बहुत बधाई! आपने ना केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव पर अमित शाह ने दी प्रतिक्रिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। एक्स पर उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, जम्मू-कश्मीर की जनता ने भाजपा को इस विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक मत प्रतिशत का आशीर्वाद दिया है और भाजपा को अब तक के इतिहास में सबसे अधिक सीटें दी हैं। इसके लिए मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए बधाई देता हूं। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के विकास और सुरक्षा के लिए संकल्पित है। जम्मू-कश्मीर को आतंकमुक्त बनाकर देश के अन्य हिस्सों की तरह इसे विकसित बनाना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नतीजे निशाजनक हैं, सुबह तक थी उम्मीदः कुमारी शैलजा

हरियाणा विधानसभा के नतीजे पर कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, ÷नतीजे निराशाजनक हैं। सुबह तक हमें पूरी उम्मीद थी। हमारे सभी कार्यकर्ता बहुत निराश हैं क्योंकि इन्होंने पिछले 10 सालों में कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत कुछ सहा है, लेकिन अब हमें इन सब बातों से पीछे हटते हुए एक नए सिरे से आगे सोचना होगा। क्योंकि जैसे अभी चल रहा है वो ऐसे ही तो नहीं चलेगा। पार्टी को किस तरह से राज्य में सींचा नहीं गया, ताल-मेल नहीं रखा गया, कौन से लोग थे जो सबको साथ लेकर चलने के जिम्मेदार थे ये भी बाते हैं। राज्य में क्या संदेश गया है। किसलिए लोग कांग्रेस की सरकार बनाते हुए पीछे हट गए? ये सब बातें देखनी पड़ेंगी।

2000 के बाद अब 200 रुपए के नोट होंगे चलन से बाहर..

» **आरबीआई ने बाजार हटा लिए गए 137 करोड़ रुपए**

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024(ए)। हाल ही में रिजर्व बैंक ने भारतीय बाजार से 2,000 रुपए के नोट को वापस मांग लिया है और इसे चलन से बाहर कर दिया है। इसके साथ ही अब यह भी खबर आ रही है कि रिजर्व बैंक ने 200 रुपए के नोट भी हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार, पिछले 6 महीने में रिजर्व बैंक ने बाजार से 137 करोड़ रुपए मूल्य के 200 रुपए के नोट वापस लिए हैं। ऐसे में सभी के मन में इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर रिजर्व बैंक ऐसा क्यों कर रही है। हालांकि, घबराने की जरूरत नहीं है। रिजर्व बैंक ने न तो 200 रुपए के नोट को बंद करने का फैसला लिया है और न ही ऐसी कोई योजना है।
दरअसल, बाजार से नोट वापस मंगाने का मुख्य कारण इन नोटों की खराब हालत है। रिजर्व बैंक ने अपनी छमाही रिपोर्ट में बताया है कि इस बार 200 रुपए के नोट सबसे ज्यादा खराब पाए गए हैं। इस वजह से इनकी संख्या में कमी करनी पड़ी। कुछ नोट सड़े-गले थे और कुछ पर लिखावट के कारण उन्हें चलन से बाहर किया गया।

500 रुपए के नोटों पर सबसे ज्यादा प्रभाव

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में 500 रुपए की करेंसी के 633 करोड़ रुपए मूल्य के नोट वापस मंगाए गए थे। ये नोट खराब होने या कटे-फटे होने के कारण वापस लिए गए थे। इस साल की पहली छमाही में 500 रुपए के नोटों की संख्या पिछले साल की तुलना में 50 फीसदी कम है, जबकि 200 रुपए के नोटों की संख्या 110 फीसदी बढ़ गई है।

50 वरिष्ठ डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा

कोलकाता,08 अक्टूबर 2024(ए)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु की रेप के बाद हुई हत्या मामले में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल के बाहर जूनियर डॉक्टर्स का अनशन जारी है। उनके समर्थन में आज 50 सीनियर चिकित्सकों ने भी सामूहिक इस्तीफा दे दिया। जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ) महिला डॉक्टर के लिए न्याय और कुछ शीर्ष अधिकारियों को हटाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टर शनिवार से ही महिला सहकर्मी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल सिस्टम की स्थापना, एक बेड रिक्ति निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और उनके कार्यस्थलों पर सीसीटीवी, ऑन-कॉल रूम और वॉशरूम के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए टास्क फोर्स का गठन शामिल है। वे अस्पतालों में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने, स्थायी महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती करने और डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के रिक्त पदों को तेजी से भरने की भी मांग कर रहे हैं। आरजी कर अस्पताल के सीनियर डॉक्टर्स ने बताया कि सामूहिक इस्तीफे का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि ÷हमारे बच्चों को बचाने और उनकी समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।÷ इससे पहले आज करीब 15 वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपने कनिष्ठ डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सांकेतिक भूख हड़ताल की। जूनियर डॉक्टरों का यह आंदोलन कोलकाता में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान हुआ है। इस जघन्य घटना के कारण राज्य में त्योहार का उत्साह फीका पड़ गया है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने सोमवार को आश्वासन दिया था कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में चल रही 90 प्रतिशत परियोजनाएं अगले महीने तक पूरी हो जाएंगी। उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह किया।

लिव इन रिलेशन में रहने पर भी चल सकता है दहेज हत्या का केसःइलाहाबाद हाई कोर्ट

इलाहाबाद,08 अक्टूबर 2024 (ए)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि पति-पत्नी की तरह 'लिव इन रिलेशन' में रहने वालों पर भी दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज हो सकता है। दहेज हत्या के केस के लिए जोड़े को पति-पत्नी की तरह जीवन यापन करना ही पर्याप्त है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने आदर्श यादव की अर्जी को खारिज करते हुए दिया है। प्रयागराज कोतवाली में वर्ष 2022 में याची के खिलाफ दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि दहेज मांगने से तंग आकर पीड़िता ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दहेज हत्या के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। ट्रायल कोर्ट ने अपराध से उन्मुक्त करने की याची की अर्जी निरस्त कर दी। इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

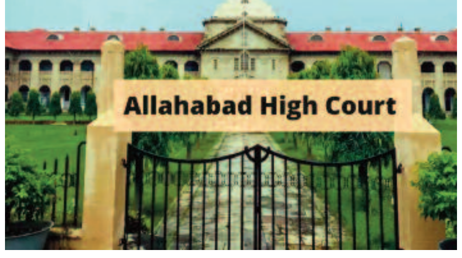

कानूनी तौर नहीं है पीड़िता का पति

याची का कहना था कि वह कानूनी तौर पर पीड़िता का पति नहीं है इसलिए उसके खिलाफ दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न का केस नहीं चलाया जा सकता। सरकारी वकील का कहना था कि पीड़िता की शादी अदालत के माध्यम से हुई थी। दहेज के लिए याची प्रताड़ित करता था, इसलिए पीड़िता ने आत्महत्या कर ली। विवाह की वैधता का परीक्षण ट्रायल में ही हो सकता है। कोर्ट ने कहा, केवल पति ही नहीं बल्कि उसके रिश्तेदार भी दहेज हत्या के लिए आरोपित हो सकते हैं। भले ही यह मान लिया जाए कि मृतका कानूनी रूप से विवाहित पत्नी नहीं थी। किंतु साक्ष्य हैं कि वे पति और पत्नी की तरह एक साथ रह रहे थे। इसलिए दहेज हत्या के प्रविधान इस मामले में लागू होंगे।

संपादकीय

जयशंकर चुप ही रहे

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं?विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म-निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोडने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं ऊफान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से भारत विरोधी रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आत्म-निरीक्षण का विषय यह होना चाहिए कि आखिर पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में व्यापकता लिए क्यों नहीं है?आत्म-निरीक्षण का दूसरा विषय है कि उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? अभी हाल में गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में चुनाव प्रचार में गए,तो वहां उन्होंने बांग्लादेशियों के बारे में कुछ ऐसा कहा, जिससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं फिर भड़क उठीं। शाह पहले भी बांग्लादेशियों के लिए दीमक जैसे शब्द बोल चुके हैं। इसी तरह तमिलनाडु में चुनाव के मौके पर प्रधानमंत्री ने कच्चतिवू द्वीप का मसला जोरशोर से उठाया था, जिसको लेकर श्रीलंका में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। विडंबना यह है कि चुनाव के बाद कच्चतिवू के सवाल को भुला दिया गया। सत्ता के शिखर पर बैठे नेता जब चुनावी गणना के मुताबिक दूसरे देशों से संबंधित मुद्दे गरमाते हैं, तो क्या उन्हें इसके उन देशों में संभावित असर का ख्याल नहीं रहता? ऐसे बिंदुओं पर जयशंकर चुप ही रहे।

क्रिएट इन इंडिया के मायने

अगली सदी की गाथा और अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी अनुराग सक्सेना पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणाम स्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे- रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैंइसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण,औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार,बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं,इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद,नवाचार और उच्च-मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू-राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है।यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, आइए हम सब मिलकर क्रिएट इन इंडिया' यानी भारत में सृजन करें आंदोलन शुरू करें। ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक-सुधार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पड़ने वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की प्रौद्योगिकियों ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावधान में क्रिएट इन इंडिया चैलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चैलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल-विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ-साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है। लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है।

-अनुराग सक्सेना-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

स्वच्छ भारत मिशन:शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत' में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी।शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है।स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य,शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है।स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ-साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं।यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुन~ सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं।अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं - संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक-वे कचरे को दायित्व के बजाय संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और मैटेरियल रिकवरी को प्रोत्साहित करती है, जिससे कचरा चक्र में आने वाले लूप प्रभावी रूप से बंद हो जाते हैं। समुदाय को जिम्मेदार कचरा निपटारे के बारे में शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक अवसरों को खोलते हैं और स्थायी अभ्यासों को आगे बढ़ाते हैं। इस तरह निचले स्तर से विचार और काम शुरू करते हुए आज राज्यों को कचरा प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति करने में सक्षम बनाया गया है।अंबिकापुर की महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छता' संबंधी पहल प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने की चाह रखने वाले टियर-द्वितीय और टियर-तृतीय श्रेणी के शहरों के लिए एक आशाजनक ब्लू-प्रिंट है। जबकि प्रत्येक समुदाय को अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, अंबिकापुर मॉडल सामुदायिक भागीदारी द्वारा संचालित स्थानीय समाधानों की शक्ति को दर्शाता है। जैसे-जैसे शहरी आबादी बढ़ रही है और अपशिष्ट प्रबंधन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, दुनिया भर के शहर प्रेरणा के लिए अंबिकापुर की ओर देख सकते हैं। उचित समर्थन और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपशिष्ट प्रबंधन को विकास और सशक्तीकरण के लिए एक संसाधन के स्वरूप में ढाल सकते हैं, जिससे विभिन्न समुदायों और हमारे पर्यावरण दोनों को लाभ होगा।हमारे पास भारत भर में सशक्त महिलाओं के कई उदाहरण हैं, जो स्वच्छता और सफाई संबंधी मिशन के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। आज महिलाएं, कचरा प्रबंधन से लेकर सामुदायिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी पहल करने में सबसे आगे हैं, ये प्रयास उन्हें आवश्यक परिवर्तनकारी कारक के रूप में प्रमाणित करते हैं। अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान दिया है, बल्कि सफाई और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला है। एसबीएम के अहम प्रभावों में से एक महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी रहा है, विशेष रूप से सफाई से जुड़ी भूमिकाओं में उन्होंने बड़ा योगदान दिया है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं को कचरा संग्रह, पृथक्करण और प्रसंस्करण में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए हैं। सफ़ाईकर्मी के रूप में, महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर रही हैं और अपने समुदायों में अपनी स्थिति को बेहतर बना रही हैं। यह आर्थिक सशक्तीकरण उनके आत्म-सम्मान और मान्यता को प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो ट्रेडिशनल जेंडर नॉर्म्स को चुनौती देता है। महिलाएं सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे परिवारों को स्वच्छता के प्रयासों, कचरे को अलग-अलग करने और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। उनकी भागीदारी स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो एसबीएम की पहलों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।निष्कर्ष के तौर पर, स्क्ररू में महिलाओं को शामिल करने से न केवल स्वच्छता पहलों की प्रभावशीलता बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, मिशन लगातार विकसित हो रहा है। अब ध्यान स्वच्छता से जुड़े प्रयासों में स्थिरता सुनिश्चित करने, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने और सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढने पर है। टेक्नोलॉजी और डेटा-ड्रिवन अप्रोच का उपयोग करके, हमारा लक्ष्य अपनी रणनीतियों को सुधारना और लोगों तक अपनी पहुंच का विस्तार करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश के हर कोने में स्वच्छता के लाभों को लोग अनुभव कर सकें। इसके अलावा, हमें भविष्य की पीढ़ियों के संस्कारों में स्वच्छता और सफाई के मूल्यों को पिरोते रहना जारी रखना चाहिए। स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने वाले शैक्षिक कार्यक्रम, पिछले एक दशक में हमारे द्वारा मिशन को दी गई गति को कायम रखने में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, आइए हम स्वच्छता की भावना को अपनाते हुए और इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए हाथ से हाथ मिलाकर चलें। एक बार फिर से स?वच?छता को स?वभाव और संस?कार से जोडना है। स्वच्छता की यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन दृढ़ संकल्प और सामूहिक श्रमदान के साथ, एक स्वच्छ, स्वस्थ भारत तक हमारी पहुंच सुनिश्चित हो चुकी है।

-तोखन साहू-

खल्लारी के कलिका माई

सोनु नेताम माया
रुद्री
नवागांव
धमतरी

खल्लारी के कालिका माई
खल्लारी रिसगांव के सियार म
कालिका माई तैंय बिराजे
भुईयाफोर के निकले दाई
मां कालिका के नांव धरागे
स्वयंभू तोर मंदिर देवाला
डीह डोंगर परसिद हावय
चईत कुंवार जगमग नवराति
नवदिन मेला भरावय
तोर अंगना दुवारिया दाई
खप्पर के जोत जलय
कतको दुखिया शरण म आईस
मनोकामना सबके पुरन करय
मन के मुराद पूरा करथे
भक्ति शक्ति के जोत जलाथे
तोर दुवारिया जेहर आथे
भवसागर ले तर जाथे
मैंय सोनु नेताम माया पैईय्या लागव
बिनती अरज गोहार हे
बाधा बिघन ल हरबे कालिका माई
तोला गाड़ा गाड़ा जोहार हे!!

सत्य के लिए ही लड़ना

घटती-घटना
प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी(छत्तीसगढ़)

मन को ही मार करके
तन को खुवार करके
जीवन में आगे बढ़ना
सत के लिए ही लड़ना
धर्म की ध्वज के लिए
खुद को अर्पित करना
असत्य से कभी डरना
सत के लिए ही लड़ना
मानव में समभाव जगे
सदाचरण का भाव जगे
लोकहित काज करना
सत के लिए ही लड़ना
शक्ति व साधना संग मे
जगत के बिखरे रंग मे
उम्मीद से आगे बढ़ना
सत के लिए ही लड़ना
उदवेलित मन में आश
जीवन में दिव्य प्रकाश
धर्म को नहीं है छलना
सत के लिए ही लड़ना
एक आश एक विश्वास
जग में सब कुछ खास
उस पर विश्वास करना
सत के लिए ही लड़ना

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अर्थशास्त्र का ग्रेशम लॉ और स्वयंभू कवि,नेता

घटती-घटना
संजीव ठाकुर
रायपुर (छत्तीसगढ़)

एक बार प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ग्रेशम सर से मेरे घर पधारे मैंने अभिवादन करते हुए कहा सरकार इस गरीब खाने में कैसे वे बोले भाईजी मैंने जो सिद्धांत अर्थशास्त्र में लागू किये थे वे क्या अभी भी भारत देश में प्रासंगिक हैं या यूं ही बिसार दिए गए यही जानने के लिए मैं तुम्हारे पास आया हूं मैं बोला हुजूर ना तो मैं अर्थशास्त्री हूं ना ही बहुत बड़ा ज्ञानी ,वे मुस्कुराए बोले यार तुम सो काल्ड, स्वयंभू चिंतक, लेखक, कवि तथा व्यंगकार भी हो तो बताओ यहां उस नियम क्या हाल चल रहा है वैसे तो मैंने अपना नियम भारत जैसे विकासशील देश के लिए ही बनाया था, मैं बोला सर यहां हम आपके बताए हुए अर्थशास्त्र के नियमों की लकीर पीटते पड़े हुए हैं कोई रास्ता ही नहीं दिखाई दे रहा है आपने जो बरसों-बरस पहले अर्थशास्त्र यानी इकनॉमिक्स में जो सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि बेड मनी ड्राइव्स आउट गुड यानी बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है यह नियम तो आज भी अर्थशास्त्र में तो लागू है ही राजनीति और साहित्य में भी पूरी तरह व्याप्त है। साहित्य को ही देख लीजिए आज के स्वयंभू कवियों, साहित्यकारो और तुकबंदीकार लोगों की भीड़ बढ़ गई अब हर कवि,लेखक और साहित्यकार अपने आप को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कहने और समझने लगा है अपने सामने किसी भी बड़े साहित्यकार, कवि को कवि और साहित्यकार मानने को तैयार ही नहीं है। वह हंसकर बोले यार तुम भी तो अपने को सो कॉल्ड राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लिखते हो और छपते भी बहुत हो, डंके की चोट अपने को अंतरराष्ट्रीय कवि और लेखक मानते हो और खुद अपने उपर ही व्यंग्य कस रहे हो,मैं शरमाया बोला सर अपने उपर व्यंग करना ही सबसे बड़ा व्यंग होता है और अब साहित्य में तो यह हो गया है कि अपनी लाश खुद के कंधे पर ढोकर चलना पड़ता है तब जाकर आदमी कब्रस्तान जा पाता है वैसे व्यक्ति स्वयं अपने कर्मों की अच्छाई,बुराई का श्रेष्ठ आंकलन-कर्ता और निर्णायक होता है, कोई और आईना दिखाएं उससे पहले स्वयं समझ जाना चाहिए कि अपनी औकात क्या है। मैं बोला सर आज अच्छे स्थापित बुद्धिजीवी और स्तरीय कवियों,साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं अब फेसबुक व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम में भेजना ही बंद कर दिया है। अब इन छुटभैय्ये साहित्यकार और लेखकों से डर कर मैदान छोड़कर भाग चुके हैं। बड़े साहित्यकार लेखक व्यंग्यकार यह सब त्याग कर अब केवल अपनी किताबों तक सीमित होकर रह गए हैं और वे सब भयभीत हैं कि मेहनत से लिखा हुआ उनका सत-साहित्य कोई अधकचरा कवि,लेखक अपने नाम से छपवाकर साहित्य में डंका ना पीट दे। लखनलाल,जमुनालाल,किरोड़ीलाल जयलाल जैसे कवियों की कविताएं फेसबुक,व्हाट्सएप,इंस्टाग्राम में छाई हुई हैं और अच्छी कविताओं का अकाल पड़ गया है समाज को संदेश देने वाली रचनाएं विलुप्त हो चुकी है। खोजने जाएंगे तो वापस आदरणीय जयशंकर प्रसाद, महावीर प्रसाद द्विवेदी,हरिवंश राय बच्चन, मैथिली शरण गुप्त और रविन्द्र नाथ टैगोर जी की शरण मे जाकर उनकी कविताओं को गूगल में खोज कर ही पढ़नी पड़तीं हैं। आसानी से उच्च-स्तरीय कवितायें पढ़ने को मिल ही नहीं पाती हैं। ये व्हाट्सएप और फेसबुक के हीरो कवि चुराई और कॉपी पेस्ट वाली कविताओं को इतना चलाते हैं कि जनवरी में पोस्ट की हुई कविता फिर लौटकर-लौटकर जून में आ जाती फिर यही पूरा चक्र चलता रहता हैं और इस पोस्ट को कॉपी पेस्ट करने वाले तथाकथित महान और छद्म काबिल कवि पूरी दमदारी और दरियादिली से अपना नाम लिखकर अपनी अप्रकाशित मौलिक रचना होने का दावा पेश करता है। ओरिजिनल कवि बेचारा न जाने किस गांव और किस कस्बे में साहित्य में अपनी पहचान खोता हुआ परचून की दुकान चलाता हुआ नजर आएगा। पूरी तरह साहित्यिक दरिद्रता छा गई है। बस यही हाल ग्रेशम सर जी राजनीति में भी है राजनीति में सदाचार,चरित्र स्खलित हो गयें है,राजनीति में सच्चे, सिद्धांतवादी, आदर्श पर चलने वाले शिक्षित नेताओं को कुछ टुटपुंजिये और गेंडे जैसी मोटी चमड़ी वाले, घड़ियाल आंसू बहाने वाले आठवीं पास नेता पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देते हैं,और सड़क छाप कल्लू ,कल्लन, कालिया टाइप के नेता सत्ता की गलियारे में तेजी से पार्षद, महापौर, विधायक, सांसद, मंत्री और इससे भी ऊपर बढ़ते चले जाते है।अति आदरणीय ग्रेशम सर आपके बताए हुए सिद्धांत के अनुसार जनता पहले सड़े गले और फटे हुए नोटों को चलाने की कोशिश करती है अच्छे नोटों को तिजोरी में रखती है बस क्या है इसी तर्ज में गुंडे,मवाली,खूनी,अपराधी और जेब कतरे अपने आतंक से राजनीतिज्ञों से संबंध बनाकर राजनीतिक पार्टियों में बड़े-बड़े ओहदे पैसों के दम पर लेकर मंत्रियों के साथ फोटो सेशन कराकर समाज में अपनी धाक और जलवे पेल देते हैं और अच्छे लोगों को घर मे रहने को मजबूर कर देते हैं। और सदाचारी लोग अपने आप को परिवार,रिश्तेदार और दोस्तों तक सीमित कर के रोज शाम घर के गार्डन में पत्नी के साथ बैठकर राजनीतिज्ञों को गाली देते हुए कहते हैं अब राजनीति शरीफों के लिए रह ही नहीं गई है आज राजनीति पूरी तरह सड़ी-गली हो गई है जरा भी ध्यान देने लायक नहीं है और फिर दोनों बच्चों के साथ बिस्कुट खाते हुए उनकी बेगम साहिबा कहती है कि आप सही कह रहे हैं आप तो अपने ऑफिस में इन लोगों से दूर ही रहा करो वरना छूत की बीमारी लग जाएगी, इस तरह काबिल शिक्षित व्यक्ति अपने आप को नौकरी में पूरी जिंदगी में झोंक देता है और मुख्य राजनीतिक धारा से बाहर हो जाता है और एक सुंदर पत्नी दो अदद बच्चों और एक 2 बीएचके फ्लैट के साथ ही खुश रहने का आदी हो जाता है। यह सब वाकया सुनाने के बाद मैंने उनसे कहा माननीय महोदय ग्रेशम सर कुछ ऐसा सिद्धांत बनाइए जिससे राजनीतिक सुचिता शुद्ध और परिष्कृत हो जाए और सब तरफ विकास और खुशहाली छा जाए, इसी तरह साहित्य भी विशुद्ध हो जाए और हम हिंदी साहित्य का वैश्विक परचम पूरी दुनिया में लहरायें, सर मुस्कुराए और बोले ऐसा तो सिर्फ फिल्मों में होता है बरखुरदार तुम ऐसा करो साउथ इंडियन मूवी देखा करो और कल्पना लोक में डूब कर अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करते रहो । इतना बोलने के बाद महान अर्थशास्त्री ग्रेशम सर अपने बताए और प्रतिपादित अर्थशास्त्र के नियमों की विसंगतियां देख तुरंत अंतर्धान हो गए। पत्नी मुझे नींद से उठाते हुए बोली क्यों इतनी रात नींद में बड़बड़ा कर मेरी नींद हराम कर रहे हो चुपचाप सो जाओ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

प्रत्येक बूथ में सौ घर भाजपा का हो...इस लक्ष्य को ले कर काम करें:पवन गर्ग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

भाजपा की सदस्यता अभियान को ले कर ज़िला सरगुजा के पदाधिकारियों की महत्त्वपूर्ण बैठक मंगलवार को संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में पूर्व भाजपा ज़िला अध्यक्ष कोरबा पवन गर्ग के मुख्य आतिथ्य, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य तथा भाजपा ज़िला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन गर्ग ने मण्डल वार सदस्यता अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि भाजपा के सर्व व्यापी और सर्व स्पर्शी सदस्यता अभियान में हम कहाँ तक पहुँचे हैं इसकी समीक्षा कर और आगे बढ़ना है,सरगुजा ज़िले में सदस्यता अभियान लक्ष्य से ज्यादा हो यह कीर्तिमान स्थापित करें। आगे उन्होंने कहा कि नगर व ग्राम का कोई भी मुहल्ला या कोई भी समाज सदस्यता अभियान में अछूता ना रहे, भाजपा के कार्यकर्ता पूरी ताक़त के साथ अभियान के अंतिम चरण को पूरा करें। उन्होंने बताया कि इस अभियान के बाद सक्रिय सदस्यता अभियान भी शुरू होना है जिसमें प्रत्येक बूथ से कम से कम चार लोगों को सक्रिय सदस्य बनाना है , प्रत्येक बूथ में सौ घर भाजपा का हो , इस लक्ष्य को ले कर काम करें। आगे उन्होंने कहा कि हम केवल सत्ता प्राप्त करने के लिए नहीं अपितु भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए भाजपा में कार्य करते है । इस अवसर पर मनोज शर्मा ने कहा कि सरगुजा संभाग में मिली चौदह में चौदह सीटों पर ऐतिहासिक जीत के कारण ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, ऐसे में सरगुजा में सदस्यता अभियान को ले कर अपेक्षायें बढ़ गयीं हैं,सरगुजा ज़िले को अपने लक्ष्य से ज़्यादा सदस्यता पूर्ण कर दिखाना होगा। इस अवसर पर ललन प्रताप सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान के अंतिम में पंद्रह अक्तूबर तक पूर्ण करना है इसलिए भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताक़त से इस अभियान को पूर्ण करने में जुट जायें। कार्यक्रम का संचालन ज़िला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने और आभार मण्डल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने किया।

बैठक में ज़िला महामंत्री देवनाथ सिंह पैकरा, विनोद हर्ष, डी के पुरिया, विकास पांडेय, फुलेश्वरी सिंह , आलोक दुबे, रोशन गुप्ता, संतोष दास, रुपेश दुबे, अनिल सिंह, वैभव सिंह देव, महेंद्र सिंह, दिनेश साहू , रजनीश पांडेय , बाल नाथ यादव, प्रबोध सिंह, अखंड विधायक सिंह, चंद्रिका यादव , रज्जु राम, राजेंद्र जयसवाल, अंशुल श्रीवास्तव, जितेंद्र सोनी, राम प्रवेश पांडेय , सर्वेश तिवारी , मयंक जयसवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह 2019 में लगे टेंट का आज तक नहीं हुआ भुगतान,जनदर्शन में शिकायत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

गणतंत्र दिवस समारोह 2019 में लगे टेंट का भुगातन नहीं किया गया है। टेंट संचालक अधिकारियों के दफ्तार का चक्कर काट रहा है। परेशान संचालक ने मामले की मंगलवार को कलेक्टर जनदर्शन में की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में कलेक्टर द्वारा जल संसाधन,ग्रामीण यांत्रिकी विभाग एवं पीएमजीएसवाई विभाग को मिलकर संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस समारोह के लिए टेंट लगाने के लिए निर्देश दिया था जिसपर तीनों

विभागों के अधिकारियों ने आपसी सामंजस्य के आधार पर इस संबंध में जल संसाधन विभाग से निविदा जारी की गई थी। जिसे न्यूनतम दर पर भरने के कारण संतोषी टेंट हाउस एंड केटर्स को कार्य प्रदान किया गया था। संतोषी टेंट हाउस के संचालक संतोष कुमार ने बताया कि उनके द्वारा कार्य पूर्ण कर जब भूगतान के लिए बिल जल संसाधन विभाग में लगाया गया तो विभाग द्वारा उक्त बिल को आरईएस विभाग भिजवा दिया गया जहां से बिल पीएमजीएसवाई को दे दिया गया। तीनों जगहों ने उक्त बिल का भुगतान नहीं हुआ। समय के साथ-साथ अधिकारियों के तबादले हो गए और संतोषी टेंट हाउस के करीब 24 लाख के बिल का भुगतान करने में अधिकारियों ने कोई रूचि नहीं दिखाई। पांच साल से अपने बकाया बिल की राशि का भुगतान नहीं होने पर अंततः परेशान टेंट हाउस संचालक ने आज जनदर्शन में कलेक्टर को आवेदन देकर बकाया राशि का भुगतान कराने का निवेदन किया है।

वकील के घर से बिजली के सामानों की चोरी

- संवाददाता -

अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। चोरों ने वकील के घर से 25 हजार रुपए कीमत का बिजली का सामान पार कर दिया है। वकील ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता राजीव चैधरी का निवास केदारपुर रिंग रोड में अरूण संगीत महाविद्यालय के पास है। 7 अक्टूबर को रात लगभग 8.15 बजे अज्ञात चोर घर के अंदर घुसकर बिजली का सामान कलेम्प, कंडक्टर, आई हुक, वी क्रॉस, केबल चोरी करके ले गए। गायब किए गए बिजली के सामान पर कर्मचारी एकनाथ यादव की नजर पड़ी और उसने इसकी जानकारी अधिवक्ता को दी थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

6 वर्षीय बालक पर आवारा कुत्ते ने किया हमला,बुजुर्ग ने बचाई जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर में इन दिनों आवारा कुत्तों का भय बना हुआ है। शहर के पोस्ट ऑफिस रोड बिही बाड़ी के पास से एक हृदयविदारक घटना सामने आई हैं। सोमवार को एक आवारा कुत्ते ने 6 वर्षीय मासूम पर हमला कर दिया। यह देख वहां से गुजर रहे साइकिल सवार ने उसकी जान बचाई। कुत्ते ने शरीर में कई जगह बच्चे को नोंच डाला है। घटना वहां स्थित एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार 6 वर्षीय बालक सोमवार की दोपहर घर से पोस्ट ऑफिस रोड बिही बाड़ी स्थित दुर्गा पंडाल में भंडारे का प्रसाद लेने गया था। प्रसाद लेकर लौटने के दौरान वहां से गुजर रहे एक आवारा कुत्ते ने उसपर हमला कर दिया। गनीमत रही कि इसी बीच वहां से गुजर रहा साइकिल सवार एक बुजुर्ग रुक गया।

यह देख कुत्ता बच्चे को छोडकर वहां से भाग गया। कुत्ते ने बच्चे के शरीर में कई जगहों पर हमला कर दिया है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार बालक प्रसाद लेकर जाता दिख रहा है। इसी दौरान सामने से आ रहे कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया। इससे बालक जमीन पर गिर गया। इस बीच कुत्ता उसे नोंचता रहा। फिर बुजुर्ग को देखकर वह भाग निकला।

कार की ठोकर से स्कूटी सवार घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कार की ठोकर से स्कूटी सवार घायल हो गया। आईजी बंगला में कुक का काम करने वाले धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमीरा निवासी बाबूनाथ मिंज ने पुलिस को बताया है कि वह वर्तमान में पुलिस लाइन में रहकर आईजी बंगला में कुक का काम करता है। 6 अक्टूबर की शाम को करीब 8.20 बजे वह अपने सोल्ड स्कूटी से गुदरी बाजार से पुलिस लाइन की ओर जा रहा था। मल्टीपरपज स्कूल के पास पुलिस लाइन तरफ से आ रहे कार क्रमांक सीजी 15 सीएस 6332 के चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक कार को चलाते हुए स्कूटी में ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। दुर्घटना में स्कूटी सवार के दाहिने पैर में चोट आई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने कार सवार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

प्रत्येक लोगों को यातायात नियमों की होनी चाहिए जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र द्वारा लाइवलीहुड कॉलेज में जागरुकता अभियान चलाया गया। उप निरीक्षक यातायात प्रभारी सरगुजा अभय तिवारी ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक युवा को यातायात के नियमों की जानकारी होनी चाहिए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र की संचालिका विद्या दीदी ने कहा कि युवाओं को विभिन्न प्रलोभनों एवं बहकावे को त्याग कर जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सकारात्मक उर्जा के साथ हस्तक्षेप करना चाहिए। समाजसेवी अजय तिवारी आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़ प्रभारी ने कहा कि युवाओं के नशे के प्रति बढ़ता लगाव चिंताजनक है। संतोष दास ने युवाओं की प्रासंगिक भूमिका को कविता युवा की परिभाषा के माध्यम से जागरुक किया। तथा नशा जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने हेतु युवाओं को आगे आने के लिए आह्वान करते हुए नशा स्वयं नहीं करने तथा समुदाय को भी नहीं करने देने हेतु शपथ दिलवाया गया। कार्यक्रम का संचालन लाइवलीहुड कॉलेज की प्रशिक्षिका रानू पाण्डेय मैडम द्वारा किया गया।

सूने मकान से 2 लाख नगद सहित जेवरात की चोरी,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम असोला में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने दो लाख रुपये नगद और सोने-चांदी का जेवरात पार कर दिया है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक निवासी मो. अमरूद्दीन अंसारी न्यायालय अंबिकापुर में कार्यरत हैं और असोला का रहने वाला है। वे वर्तमान में पैलेस के पीछे दर्रीपारा बीहीबाड़ी में शासकीय निवास में रहता है। वर्तमान में असोला स्थित मकान खाली रहने के कारण वे दिन में अपना काम निपटाने के बाद रात में वहां सोने के लिए जाते थे। 5 अक्टूबर की सुबह वे अपने निवास असोला से ड्यूटी के लिए अंबिकापुर न्यायालय आ गए थे। कार्यस्थल से दौरा जाने के कारण वे अपने निवास ग्राम असोला नहीं जा पाए। शाम करीब 5 बजे पड़ोसी से मकान का हाल-चाल पूछकर रात में शासकीय निवास में ही सो गए थे। 6 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे जब वे अपने निवास स्थान ग्राम असोला गए तो सामने शटर का कुण्डी टूटा हुआ था। शटर उटाकर अंदर जाने पर दरवाजे का ताला टूटा मिला और सभी कमरे का दरवाजा खुला था। अंदर जाने पर बेडरूम के आलमारी में रखा नगद 2 लाख रुपये, सोने व चांदी का कान का मंगलटीपा, हाथ का कंगन, मांगटीका सहित अन्य जेवर एवं नल में लगा पाइप नहीं था। चोरी गए सामानों का वास्तविक मिलान वे पत्नी व बच्चों के नहीं रहने के कारण नहीं कर पाए। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरूद्ध केस पंजीबद्ध कर लिया है।

शैलेंद्र प्रताप सिंह को झारखंड के सिल्ली विधानसभा का समन्वयक की दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह पर एआईसीसी ने भरोसा जताते हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में सिल्ली विधानसभा का समन्वयक बना है। ज्ञात हो की रांची लोकसभा का प्रभारी एआईसीसी सचिव रायपुर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को बनाया गया और छत्तीसगढ को यह बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले भी शैलेंद्र प्रताप सिंह को एनएसयूआई युवा कांग्रेस पीसीसी में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। साथ ही में लोकसभा चुनाव में भी हिमाचल प्रदेश के शिमला रोहड़ू विधानसभा का प्रभारी बनाया गया था। एआईसीसी के द्वारा इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने पर शैलेंद्र प्रताप सिंह द्वारा एआईसीसी के शीर्ष नेतृत्व, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, एआईसीसी सचिव पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का आभार व्यक्त करते हुए अपने जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने हेतु तत्पर रहने कि बात कही है।

किराना दुकान के सामने से बाइक चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

किराना दुकान के सामने मोटरसाइकिल खड़ा करके सब्जी खरीदने गए टाइल्स मिस्त्री का मोटरसाइकिल अज्ञात चोरों ने पार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक खैरबार खुदीपारा निवासी टाइल्स मिस्त्री जगदीश प्रसाद यादव 6 अक्टूबर को अपने मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 15 डीई 4771 से शाम करीब 5.30 बजे कंपनी बाजार आया था। मोटरसाइकिल को कंपनी बाजार के पास केशरी किराना स्टोर के सामने खड़ा करके वह सब्जी खरीदने गया। सब्जी खरीदकर शाम करीब 6-00 बजे वापस आया तो मोटरसाइकिल नहीं थी। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

श्रीमद् भागवत कथा से मंगलसूत्र और सोने की चेन चोरी के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को किया गिरफ्तार

» आरोपियों के कब्जे से दो चार पहिया वाहन किया जप्त

- संवाददाता -
लखनपुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर के स्वयंभू शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सुनने पहुंची पांच महिलाओं के गले से सोने के चरण और मंगलसूत्र चोरी करने के मामले में लखनपुर पुलिस ने महिला पुरुष मिलाकर कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार करते न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है साथ ही घटना में प्रयुक्त दो स्विफ्ट कार वाहन जप्त किया गया है। मुझे जानकारी के मुताबिक प्रार्थना निर्मल वर्मा पति स्वर्गीय अनिल वर्मा उम्र लगभग 63 वर्ष वार्ड क्रमांक 6 लखनपुर निवासी ने थाना लखनपुर पांच रिपोर्ट दर्ज कराया की 27 सितंबर की शाम भागवत कथा सुनने अपने परिचित खुशबू साहू और परमेश्वरी साहू के साथ लखनपुर शिव मंदिर प्रांगण में गए हुए थे। कथा समापन उपरान्त प्रसाद वितरण के दौरान भीड़ होने के कारण खुशबू साहू, परमेश्वरी साहू, श्रीमती संतोषी देवी, श्रीमती किरण अग्रवाल के गले से सोने के चैन और मंगलसूत्र को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया। पुलिस ने अपराध दर्ज करते हुए मामले को विवेचना में लिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेह महिलाओं के वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया जिसमें दो सनदेही महिलाओं की सूचना मूकबीर के जरिए पुलिस को मिली पुलिस ने दोनों महिलाओं को थाने तलब किया संदेह ही महिला ने अपना नाम रेनू धमदे रेणु परहोले निवासि पीपर सत्ती बताया गवाहों के अनुसार पीपर शक्ति के और महिलाओं को पहचान किया गया सभी संधिया को थाना अकलतरा तलब किया गया खड्डा के संबंध में पूछताछ किए जाने पर उक्त लोगों के द्वारा संदीप होने की बात कही गई और अपराध घटित करना स्वीकार किया गया। आरोपी महिला रेडू धंधेपटी महादेव धंधे 45 वर्ष ,मंजू बाई पति कन्हैयालाल उम्र 47 वर्ष, हसीना बाई पति नारायण उम्र 60 वर्ष चिरैया भाई पति अजय कुमार पुरहो 37 वर्ष ,सुनीता बाई पति पुत्तम कुमार 42 वर्ष उत्तम कुमार पिता राजीव राय45 वर्ष संजू भाई पति नंदलाल 50 वर्ष निवासी पीपरसती थाना अकलतरा जिला जांजगीर चंपा निवासियों को धारा 303(2)61 238 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर मंगलवार को न्याय अभीरक्षा में भेजा गया साथ ही आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक सीजी 11 बीके 7505, सीजी 11bh 0428 कार वाहन को जप्त किया है।आरोपियों के द्वारा जेवरात को बिक्री कर दिया गया था बेचे गए रकम में से ?2500 गवाहों के समक्ष जप्त किया गया। इस पूरी कार्रवाई में लखनपुर थाना प्रभारी अश्वनी सिंह प्रधान रक्षक रवि सिंह ,प्रवीण चंद्र तिवारी, गणेश कदम ,आरक्षक दशरथ राजवाड़े ,जितेंद्र शांडिल्य, उमाशंकर साहू ,जानकी राजवाड़े महिला आरक्षक मनिता तिग्गा प्रियंका सक्रिय है।

कुसमी दुर्गा चौक में भगवान श्री राम और भगवान श्री भोलेनाथ की कथा का आनंद उठा रहे श्रद्धालु

- संवाददाता -

कुसमी,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के छोटे से शहर कुसमी दुर्गा चौक में इस वर्ष नवरात्र के शुभ अवसर पर भगवान श्री राम के साथ भगवान श्री भोलेनाथ की कथा का आयोजन हर संध्या काल माता की आरती उपरांत किया जा रहा है, कथा का वाचन अयोध्या से आये संत आचार्य श्री गौतम प्रियदर्शी जी के द्वारा किया जा रहा है,वही कथा सुनने आए श्रद्धालु गण भगवान की कथा सुनकर उत्साह से झुमने लगते है गौरतलब है कि कुसमी दुर्गा चौक में 1961शारदीय नवरात्र से मां दुर्गा मां लक्ष्मी मां सरस्वती भगवान श्री गणेश भगवान श्री कार्तिकेय की प्रतिमा स्थापित कर कुसमी के भक्त गण पुजा अर्चना भक्तिभाव से करते आ रहे है और वही इस वर्ष भी माता रानी की पुजा अर्चना पंडित श्री सुरेश वैध जी के द्वारा विधिविधान से कराया जा रहा है काफी संख्या में माता के भक्त गण पुजा अर्चना में शामिल होते है और माता की भक्ति कर माता से आशीर्वाद प्राप्त करते है साथ हि हर संध्या काल में भव्य भंडारे प्रसाद का आयोजन भी किया जाता है । बहरहाल नवरात्र में दुर्गा समिति के सदस्यों द्वारा भी अपना बहुमूल्य समय देकर नवरात्र का पर्व धूमधाम के साथ उत्साह से मनाया जा सके इसके लिए काफी परिश्रम भी किया जा रहा है।

नगर पंचायत ने निजी भूमि पर बना दिया है सड़क़,7 वर्ष से परेशान है भू स्वामी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर नगर पंचायत द्वारा 20 डिसमिल निजी जमीन पर सड़क़ का निर्माण 6-7 वर्ष पूर्व निर्माण करा दिया गया है। तब से भूमि स्वामी परेशान है और मुआवजा व जमीन को लेकर अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर लगा रहा है। परेशान भू स्वामी अजेश सोनी ने मामले की शिकायत मंगलवार को अंबिकापुर स्थित जनदर्शन में कलेक्टर के समीक्ष की है। अजेश सोनी ने जनदर्शन में ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान आत्महत्या करने की बात कही है।

अजेश सोनी ने कहा कि मैं सब्जी बेचकर जीवन यापन करता हूं। मेरे 20 डिसमिल निजी भूमि पर सीतापुर नगर पंचयत द्वारा सड़क़ का निर्माण करा दिया गया है। कलेक्टर, एसडीएम व तहसीलदार के द्वारा कहा गया था कि जमीन के बदले जमीन दिया जाएगा। पर आज तक न जो जमीन दिया गया है और न ही मुआवजा मिला है। अजेश ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि मैं दौड़-दौड़ कर परेशान हो गया हूं। मुझे न्याया दिलाएं। मामले में सीतापुर एसडीएम रवि राही ने कहा कि मामला सही है। निजी भूमि पर सड़क़ का निर्माण नगर पंचायत द्वारा वर्ष 2016-17 में कराया गया है। आवेदक द्वारा आत्महत्या करने की बात कहने पर एसडीएम ने कहा कि वह परेशान जरूर हैं। लेकिन न्यायलीन प्रक्रिया होती है। उसका भी सम्मान करनी चाहिए।

सिंगापुर के लिटिल इंडिया इलाके में दो दुकानों में संदिग्ध गैस विस्फोट,छह लोग घायल

सिंगापुर,08 अक्टूबर 2024। सिंगापुर के लिटिल इंडिया इलाके में मंगलवार की सुबह दो दुकानों में संदिग्ध गैस विस्फोट हुआ। जिससे छह लोग घायल हो गए। यह स्थान भारतीय पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। घटना के बाद आसपास के होटलों में ठहरे लोगों को सुरक्षि स्थानों पर भेजा गया।

यह विस्फोट सुबह करीब 1:30 बजे हुआ, जब सैयद अल्वी रोड पर 84 और 85 नंबर पर स्थित दो मंजिल दुकान में जोरदार धमाका हुआ। चश्मदीदों के के मुताबिक उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी। सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स ने बताया कि दो लोगों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में उन्हें अस्पताल भेजा गया। चार अन्य व्यक्तियों ने अस्पताल जाने से मना कर दिया, क्योंकि उन्हें हल्की चोटें आई थीं।

यह पहली बार है जब लिटिल इंडिया में इस तरह की विस्फोट वाली घटना में संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। खबरों के मुताबिक, 84 नंबर पर एक शाकाहारी रेस्तरां पाकशाला सिंगापुर है, जिसको काफी नुकसान हुआ है। रेस्तरां की छत से तार लटकते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, 85 नंबर पर मिर्जा मेगा मार्ट है, जो खाने-पीने और घरेलू सामान का ब्रिक्री कर्ता है।

इन दो दुकानों के पास रॉयल इंडिया होटल है, जिसने करीब 60 मेहमानों को दुकान से सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सुबह पांच बजे बाद ही अपने कमरों में लौटने दिया। इसी तरह, 84 नंबर की दुकान के पास के अरियाना होटल ने भी अपने मेहमानों को सुरक्षित स्थान पर भेजा। हालांकि इन होटलों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ।

इस विस्फोट के कारण 75 डेस्कर रोड पर स्थित फिलिप होटल के एक कमरे की खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इस घटना ने पूरे लिटिल इंडिया इलाके में हड़कंप मचा दिया है और सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रभावित इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

इमरान खान समेत दो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा,PTI की रैली में पुलिसकर्मी की हुई थी मौत

इस्लामाबाद,08 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के नेता, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के खिलाफ पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई की ओर से पिछले दिनों किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी की मौत हुई थी। इसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने यह कदम उठाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को सरकार की ओर से संघीय राजधानी के नून पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास, आगजनी, राज्य पर हमला और पुलिस कर्मियों के खिलाफ हिंसा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एटीए) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व पीएम इमरान खान और खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर पर इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र के पुलिस के कांस्टेबल अब्दुल हमीद की हत्या के प्रयास का आरोप लगाया। बताया गया कि पुलिसकर्मी की शुक्रवार रात को पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के दौरान डी-चौक पर उपद्रवियों ने हमला किया था। दो दिन बाद इलाज के दौरान पुलिसकर्मी की मौत हो गई।

बताया जाता है कि पीटीआई ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बढ़ती महंगाई के विरोध में डी चौक पर प्रदर्शन किया था। सरकार ने शुक्रवार को रैली को रोकने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों और पार्टी समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। इसके चलते पुलिसकर्मी हमीद की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जाता है कि मुकदमे में पीटीआई नेता आजम स्वाति, उमर अयूब, बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ, पीटीआई इस्लामाबाद के अध्यक्ष आमिर मुगल, मलिक हफीज उर रहमान टीपू और 500 अन्य अज्ञात व्यक्तियों को भी नामित किया गया है।

माउंट धौलागिरी पर फिसलने से पांच रूसी पर्वतारोहियों की मौत,बेस कैंप से टूट गया था संपर्क

काठमांडू,08अक्टूबर 2024। नेपाल की 7,000 मीटर की अधिक ऊंचाई वाले माउंट धौलागिरी में फिसलने से पांच रूसी पर्वतारोहियों की मौत हो गई। हेली एवरेस्ट के उपाध्यक्ष मिंगमा शेरपा के मुताबिक, इन पर्वतारोहियों ने शरद ऋतु के दौरान दुनिया की इस सातवीं सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई शुरू थी। मिंगमा खुद भी पर्वतारोही हैं और वह लापता पर्वतारोहियों के लिए शुरू किए गए खोज अभियान का हिस्सा थे।

मृतकों की पहचान अलेक्जेंडर दुशेयको,ओलेग क्रुग्लोव,व्लादिमीर चिस्तिकोव,मिखाइल नोसेंको और दिमित्री शापिलेवोई के रूप में हुई है। चोटी पर चढ़ते समय इन पर्वतारोहियों का सुबह छह बजे बेस कैंप से संपर्क टूट गया था।

शेरपा ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि ये सभी पर्वतारोही एक ही रस्सी की मदद से 8,167 मीटर ऊंची चोटी की ओर जा रहे थे, तभी वे लापता हो गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने उन्हें 7,700 मीटर की ऊंचाई पर मृत पाया।

नेपाल के पर्यटन विभाग के निदेशक राकेश गुरुंग ने बताया कि खराब मौसम के चलते सोमवार को बचाव कार्य नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि एक अन्य रूसी पर्वतारोही को हेलिकॉप्टर के जरिए बेस कैंप से बचाया गया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उंचाई वाले इलाके से इन मृतक पर्वतारोहियों को कब और कैसे नीचे लाया जाएगा।

इस बीच, उत्तरी नेपाल के रसुवा और नुवाकोट जिलों की सीमा सूर्यकुंड इलाके में पोलैंड के एक यात्री सोंविस्का अग्निज्का (23 वर्षीय) की भी सोमवार की रात ट्रैकिंग के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उसकी मौत ऊंचाई पर होने वाली बीमारी के कारण हुई।

जयशंकर के दौरे पर श्रीलंका की प्रतिक्रिया... ऋण पुनर्गठन को खत्म करने में उनकी यात्रा महत्वपूर्ण

कोलंबो,08 अक्टूबर 2024। श्रीलंका ने मंगलवार को कहा कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की हालिया यात्रा अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बॉन्ड धारकों के साथ अपने ऋण पुनर्गठन को खत्म करने में महत्वपूर्ण थी। कैबिनेट प्रवक्ता और विदेश मामलों के मंत्री विजिता हेराथ ने कोलंबो में पत्रकारों से कहा कि भारत ने द्विपक्षीय ऋणदाता के रूप में समझौते पर हस्ताक्षर करके इस बात का समर्थन किया है कि यह समझौता ऋण पुनर्गठन में तुलनात्मक उपचार सिद्धांत के अनुकूल है।

अप्रैल 2022 में श्रीलंका ने खुद को घोषित किया था डिफॉल्ट

पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव से पहले, नकदी की कमी से जूझ रहे श्रीलंका ने 19 सितंबर को घोषणा की थी कि उसने लगभग 17.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बाहरी वाणिज्यिक ऋणों के पुनर्गठन के लिए बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ सैद्धांतिक रूप से समझौता कर लिया है। श्रीलंका ने अप्रैल 2022 के मध्य में अपना पहला संप्रभु डिफॉल्ट घोषित किया, क्योंकि उसके विदेशी मुद्रा भंडार खत्म हो गए थे, जो 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से पहली बार हुआ था। ऋण सेवाओं पर रोक का मतलब था कि बहुपक्षीय ऋणदाता राष्ट्र और वाणिज्यिक ऋणदाता देश को नए सिरे से वित्तपोषण नहीं दे सकते थे।

अडानी प्रोजेक्ट को लेकर क्या बोले श्रीलंकाई विदेश मंत्री

वहीं ये पूछे जाने पर कि क्या श्रीलंका में अडानी निवेश परियोजनाओं समेत भारतीय परियोजनाओं पर जयशंकर के साथ चर्चा की गई थी, इस पर विजिता हेराथ ने कहा कि चूंकि वर्तमान सरकार एक संक्रमणकालीन सरकार है - अगला संसदीय चुनाव नवंबर में होने वाला है - ऐसे मामलों पर चर्चा नहीं की गई। सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने 21 सितंबर के चुनाव से पहले कहा था कि वे दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में अडानी पवन ऊर्जा परियोजना को रद्द कर देंगे।

जुलाई में श्रीलंका ने किया ऋण पुनर्गठन समझौता

इस साल जुलाई में, श्रीलंका सरकार ने चीन, भारत, फ्रांस और जापान जैसे देशों के साथ लंबी बातचीत के बाद अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बॉन्ड धारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया। श्रीलंका वर्तमान में 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज की अगली किश्त के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बातचीत कर रहा है, जिसके लिए आईएमएफ ने बाहरी ऋण पुनर्गठन को सशर्त बना दिया है। बेलआउट पैकेज की तीसरी किश्त जून के मध्य में जारी की गई थी क्योंकि वाशिंगटन मुख्यालय वाले वैश्विक ऋणदाता ने 2 अगस्त को कहा था कि श्रीलंका के आर्थिक सुधार कार्यक्रम ने अच्छे परिणाम दिए हैं। वहीं विजिता हेराथ ने कहा कि बॉन्ड धारकों ने ऋण के तुलनात्मक उपचार के पहलू पर द्विपक्षीय ऋणदाताओं से सहमति मांगी थी।

ट्रंप ने मैक्सिको से आयातित वाहनों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की दी धमकी

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024। रिपब्लिकन अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने 5 नवंबर के चुनाव से पहले अपने संरक्षणवादी व्यापार बयानबाजी को तेज करते हुए मैक्सिको से आयातित वाहनों पर 200 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही है। डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस का सामना कर रहे ट्रंप ने पहले वादा किया था कि अगर वह फिर से राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो घरेलू ऑटो उद्योग की मदद के लक्ष्य के साथ आयातित कारों और ट्रकों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। लेकिन विस्कॉन्सिन के जूनो में एक हवाई अड्डे पर एक रैली में बोलते हुए ट्रंप ने इस आंकड़े को दोगुना कर दिया।

ट्रंप ने रविवार को चुनावी रैली में कहा, ÷अगर हमें ऐसा करना पड़ा तो हम 200 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम उन कारों को अमेरिका में नहीं आने देंगे।

पूर्व राष्ट्रपति ने आठ दिनों में चौथी बार विस्कॉन्सिन में प्रचार किया। जिससे यह पता चलता है कि चुनाव से एक महीने से भी कम समय पहले उनका अभियान इस राज्य को कितना महत्व दे रहा है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि विस्कॉन्सिन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस को थोड़ी बढ़त हासिल है। जबकि चार साल पहले इस राज्य ने ट्रंप के बजाय राष्ट्रपति जो बाइडन को वोट दिया था।

हैरिस और ट्रंप दोनों ने मिशिगन, पेनसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन में बहुत ज्यादा समय, पैसा और संसाधन खर्च किए हैं। जिन्हें अमेरिकी चुनावी कॉलेज में जीत की कुंजी माना जाता है। ट्रंप ने 2016 में डेमोक्रेट हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ राष्ट्रपति बनने के लिए इन राज्यों में बड़ी जीत हासिल की थी।

बाइडन ने भी 2020 में यही किया। हैरिस ने गुरुवार को विस्कॉन्सिन में पूर्व रिपब्लिकन अमेरिकी कांग्रेस सदस्य लिज चेनी के साथ प्रचार किया। जूनो में ट्रंप की रैली बटलर, पेनसिल्वेनिया में एक रैली आयोजित करने के 24 घंटे से भी कम समय बाद हुई। बटलर वही जगह है जहां जुलाई में उनकी हत्या की कोशिश की गई थी।

ट्रंप ने टैरिफ पर अपनी टिप्पणी तब की जब उन्होंने अमेरिकी ऑटो उद्योग को बढ़ावा देने का वादा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों ने कहा है कि उनकी योजनाओं से वाहनों की कीमतें बढ़ सकती हैं।

मेक्सिको ने 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका को लगभग तीन मिलियन (30 लाख) वाहन निर्यात किए। जिनमें से लगभग आधे निर्यात डेट्रायट थ्री ऑटोमेकर्स के थे। जनरल मोटर्स (जीएम), फोर्ड मोटर कंपनी (एफ) और स्टेलेंटिस (एसटीएलए) को डेट्रायट की थ्री ऑटोमेकर्स (तीन वाहन निर्माता कंपनियां) कहा जाता है।

टैक्स पॉलिसी सेंटर थिंक टैंक ने कहा है कि मैक्सिकन वाहन निर्यात पर भारी टैरिफ ÷संभवतः मोटर वाहनों, घरेलू और आयातित, पुरानी कारों और नई कारों की लागत को बढ़ा देगा।÷

ट्रंप ने पहले 2016 में राष्ट्रपति और उम्मीदवार के रूप में मैक्सिको से आने वाली कारों पर बड़े टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। वाहन निर्माताओं ने 2019 में कहा था कि मैक्सिकन ऑटो और कंपोनेंट पर 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने से उद्योग पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है और वाहनों की लागत बढ़ सकती है।

ट्रंप ने जूनो में अपने लगभग दो घंटे के भाषण के शुरुआती हिस्से में बाइडन प्रशासन की तूफान हेलेन को लेकर प्रतिक्रिया की आलोचना की। इस तूफान ने दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया और 227 लोगों की जान ले ली। इसमें लाखों लोगों को बिजली के बिना रहना पड़ा।

ट्रंप ने बिना कोई सबूत दिए कहा कि हैरिस ने लोगों को असहाय कर दिया है।

ट्रंप ने जूनो में भीड़ से कहा, यह किसी तूफान या आपदा या तूफान के लिए अब तक की सबसे खराब प्रतिक्रिया है।

इससे पहले रविवार को, संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की प्रशासक डीन क्रिसवेल ने एबीसी के दिस वीक कार्यक्रम में प्रशासन की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि एजेंसी के पास पुनर्निर्माण प्रयासों में मदद के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। क्रिसवेल ने कहा, हम उन जगहों पर महत्वपूर्ण वस्तुओं को पहुंचाना जारी रखते हैं, जहां पहुंचना मुश्किल है। क्रिसवेल ने ट्रंप और अन्य रिपब्लिकन के इस दावे को बेहद हास्यास्पद और बिल्कुल झूठा बताया कि फेमा का फंड अवैध रूप से देश में प्रवासियों के लिए भेजा जा रहा है।

बांग्लादेश में इस बार फीका रहेगा दुर्गा पूजा उत्सव, हिंदुओं पर हुए हमलों का विरोध करेंगे आयोजक

ढाका,08 अक्टूबर 2024। बांग्लादेश में इस बार दुर्गा पूजा उत्सव फीका रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं पर हुए हमलों का दुर्गा पूजा महोत्सव के आयोजक विरोध करेंगे। आयोजकों का कहना है कि हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए इस साल हम साधारण तरीके से दुर्गा पूजा मनाएंगे। उनका कहना है कि देश में हुई हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद हिंदुओं को अपने अस्तित्व को लेकर डर है। इसके चलते दुर्गा पूजा महोसव की जीवंतता फीकी पड़ गई है। इसके चलते लोग पारंपरिक उत्सव का आयोजन करने को लेकर खासे मायूस हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीओपी) के प्रेसीडियम सदस्य रंजन कर्माकर का कहना है कि इस बार सिर्फ हम दुर्गा पूजा का आयोजन करेंगे। दुर्गा पूजा उत्सव नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह हिंदू समुदाय के विरोध का एक रूप है, क्योंकि आयोजकों को धमकियों और फिरौती कॉल का सामना करना पड़ रहा था। इसके साथ ही अगस्त से हिंदुओं पर लगातार हुए हमलों के बाद हम किसी भी प्रकार के उत्सव में भाग लेने की मानसिकता में नहीं हैं। बांग्लादेश पूजा उद्‌जापन परिषद के अध्यक्ष बासुदेब धर ने कहा कि सरकार ने उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया है। लेकिन हिंदुओं ने दुर्गा पूजा अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से परहेज करके त्योहार को संयमित तरीके से मनाने का फैसला लिया है। हमने सभी पूजा आयोजकों से शांतिपूर्वक विरोध बैनर लगाने के लिए कहा है। इसमें हमारी प्रमुख मांगें अल्पसंख्यक उत्पीड़न के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक निष्पक्ष जांच पैनल स्थापित करने और अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम का निर्माण की मांग शामिल होगी। एक अन्य दुर्गा पूजा के आयोजक ने दावा किया कि कई पूजा समितियों को गुमनाम धमकी भरे पत्र मिले हैं। इसमें आयोजकों से दुर्गा पूजा उत्सवों के लिए फिरौती की मांग की गई है। जो कि बांग्लादेशी 3.5 लाख टका है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह एक सुरक्षित माहौल है जहां हम शांतिपूर्वक दुर्गा पूजा समारोह आयोजित कर सकते हैं? यह कोई अकेली घटना नहीं है बल्कि इस साल यह एक आम बात बन गई है। बांग्लादेश जातीय हिंदू मोहजोत के महासचिव गोबिंद चंद्र प्रमाणिक ने कहा कि अवामी लीग के शासन के दौरान भी दुर्गा पूजा पर हमला किया गया था और मूर्तियों को तोड़ दिया गया था। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर अवामी लीग के समर्थक वर्तमान अंतरिम सरकार को बदनाम करने और ऐसी तस्वीर पेश करने के लिए इन हमलों के पीछे हैं.

सरगुजा कलेक्टर नदी पारकर ऊबड़ खाबड़ रास्ते में पैदल चलकर पहुंचे पहुंचविहीन ग्राम घटोन

» सुनी समस्याएं निराकरण का आश्वासन

- संवाददाता -
लखनपुर,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर मंगलवार की दोपहर लगभग 1 बजे जिले के लखनपुर विकासखंड के पटकुरा के पहुचविहीन ग्राम घटोन नदी पार कर लगभग 8 किलोमीटर उबड़ खाबड रास्तों से होकर पैदल पहुंचे। जहां उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात किया और उनकी समस्याएं सुनी इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क निर्माण अतिरिक्त कक्ष, कुआ निर्माण, कुंवा में सोलर पंप लगा पानी सप्लाई,झूला घर ,आंगनबाड़ी भवन में टाइल्स निर्माण सहित अन्य मांगे रखी गई।सरगुजा कलेक्टर ने त्वरित निराकरण का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है। विदित हो कि विगत दिनों पूर्व घटोन निवासि इसपाल तिग्गा की मौत उपचार के दौरान अंबिकापुर मिशन अस्पताल में हो गई थी। शव वाहन से इसपाल के शव को ग्राम पटकुरा तक लाया गया बाद इसके पटकुरा से ग्रामीणों ने कांधे पर बास के सहारे उबड खाबड़ रास्ते से पैदल 8 किमी सफर कर घटोन पहुंचे और शव का अंतिम संस्कार किया गया। इसी दौरान ग्रामीण युवक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दीया।बड़े पैमाने पर खबर प्रकाशित हुआ मामले को संज्ञान में लेते हुए सरगुजा कलेक्टर मंगलवार को वस्तु स्थिति जानने नदी पार कर ऊबड़ खाबड़ खबर रास्तों से होते हुए पैदल घटोन पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुन त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया है इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नूतन कवर, एसडीएम वंश राम नेताम, सीईओ वेद प्रकाश पांडे,तहसीलदार अंकिता पटेल, कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिंज एसडीओ दिलीप मिंज खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय पीडब्ल्यूडी इंजीनियर सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी का मौजूद रहे।

क्या पटना थाना के थाना प्रभारी से ज्यादा उनके निजी ड्राइवर की पटना थाना में चलती है ?

आखिर पटना थाना प्रभारी की क्या मजबूरी है कि अधिग्रहित पुलिस वाहन को निजी ड्राइवर से चलवाते हैं ?

पटना पुलिस की कार्यप्रणाली इस समय बना चर्चा का विषय...निजी ड्राइवर कर रहा पुलिस की वसूली:सूत्र

चार थाना वाला जिला साथ ही चारों थाना के लिए डीएसपी कानून व्यवस्था सुधारने के लिए है या फिर वसूली के लिए ?

पटना थाना इस समय वसूली के लिए प्रसिद्ध होता जा रहा है हर छोटे-बड़े मामले में वसूली की बात सामने आ रही है पुलिस अधीक्षक को लेना होगा संज्ञान

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सत्ता शासन बदलने के बाद जनता में एक उम्मीद रहती है कि व्यवस्था सुधरेगी परेशानियां कम होगी चाहे वह किसी भी विभाग की हो, चाहे वह जिला प्रशासन की हो या फिर पुलिस प्रशासन की सभी को लेकर यह उम्मीद सत्ता परिवर्तन के बाद जग जाती है, लेकिन यदि परिवर्तन के बाद भी वर्तमान सरकार उस पर खरा न उतरे या वर्तमान प्रशासन जनता की मंशा के विपरीत चले तो फिर यह भी तय है की सत्ता पाने वाले स्वार्थ में डुबकी लगा रहे हैं और पैसे में गोता खा रहे हैं,यह बात इस समय इसलिए हो रही है क्योंकि पुरानी सरकार के कार्यकाल में पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं आम थी,लोगों को परेशानियां भी खूब थी लोगों को लगा कि सत्ता परिवर्तन होने के बाद परेशानियां कम होगी लूट खसोट कम होगा, थानों की दुकानदारी बंद होगी और सिर्फ न्याय की बात होगी पर क्या ऐसा हो पा रहा है? यदि इस सवाल का जवाब वर्तमान में ढूंढने निकलेंगे तो शायद यही सुनने को मिलेगा कि बिल्कुल भी नहीं पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था के पटरी से उतरी हुई है लोगों के लिए परेशानी का सबक बनी हुई है, न्याय की दृष्टि से नहीं दुकान की दृष्टि से थाना चलाए जा रहे हैं, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या कोरिया जिले के पुलिस विभाग के मुखिया इन सब बातों से अनजान है या फिर उन तक यह बातें सही में नहीं पहुंची है और यदि नहीं पहुंची है तो हम उनसे निवेदन करेंगे की इन बातों पर संज्ञान लें और व्यवस्थाओं पर ध्यान दें, कानून व्यवस्था को लेकर वह संज्ञान लें, इस समय बात हो रही है पटना थाना क्षेत्र की जहां के प्रभारी शायद दो दायित्वों को निभा रहे हैं एक तो साइबर सेल का दायित्व और दूसरा पटना थाना के प्रभारी बने हुए हैं, पर शायद इनसे पटना थाना संभल नहीं पा रहा है या फिर यह थाने को दुकानदारी में तब्दील कर दिए हैं, यह हमारा नहीं है कहना इस समय यह जन चर्चाओं में सुना जा सकता है। पुलिस विभाग में पुलिस की मुखबिरी गोपनीय होती है पर इस समय पुलिस का मुखबिर कोई और नहीं पुलिस के वाहन चलाने वाला एक विभाग से बाहर का व्यक्ति है जिसके ऊपर ना जाने पुलिस को कितना भरोसा है की दुकानदारी उसी के भरोसे चलाई जा रही है अंततः सवाल यह भी है की शासकीय वाहन को निजी व्यक्ति कैसे चल रहा है क्या पुलिस विभाग के पास चालाक नहीं है या फिर चालक से और कोई काम करवाया जा रहा है? ज्ञात हो कि कोरिया जिले का जबसे विभाजन हुआ है तभी से यह देखा जा रहा है की चार पुलिस थानों में सिमट चुके जिले की पुलिसिंग उतनी चुस्त दुरुस्त नहीं है जितनी जिले के हिसाब से उपलब्ध संसाधनों और पुलिस विभाग में पदस्थ जिले के अधिकारियों कर्मचारियों की संख्या के आधार पर होनी चाहिए। जिले में चार पुलिस थानों में से एक महत्वपूर्ण पुलिस थाना पटना का भी है जहां अब कई तरह की अफवाह उड़ रही है और यह अफवाह सुनाई भी दे रही है की जिले के पटना पुलिस थाना के प्रभारी के वाहन चालक जो बाहरी व्यक्ति है विभाग का नहीं है, कहां जाए तो पुलिस की सुविधा के वाहन अधिग्रहित की गई है जिसका ही चालक है वह वहीं अधिग्रहित कर ली गई है और गाड़ी भी जहां पीले नंबर प्लेट वाले होनी थी वहां वह सफेद नंबर प्लेट वाली है, अब पुलिस विभाग में भी जब इस प्रकार की कमियां देखी जाएगी तो फिर पुलिस विभाग जो ऐसे मामलों का फाइन काटा करती है क्या वह भी ऐसे मामलों में संलिप्त है, क्या व्यवसायिक परमिट वाली गाड़ियां छोड़ निजी गाड़ियों को अधिग्रहित किया गया है? सूत्र को तो यह भी कहना है कि एक गाड़ी तो एक पुलिस वाले के नाम पर भी चल रही है। जिम्मेदारी पुलिस विभाग के संबंधित शाखा की है क्योंकि उन्हें इन सब चीजों पर ध्यान देना चाहिए कि कौन सी गाड़ी नियम के साथ लगनी चाहिए और कौन सी गाड़ियां नियम विरुद्ध है जो नहीं लगनी चाहिए, क्या इस मामले में भी लंबा घोटाला हो रहा है या फिर जान कर सभी लोग अनजान बने हुए हैं या इसलिए यह कार्रवाई नहीं हो रही क्योंकि यह पुलिस विभाग का मामला है घोटाले पर कार्रवाई करने वाली पुलिस भी क्या घोटाले में शामिल है?

बाहर के व्यक्ति से वाहन चलवाना कानून के खिलाफ नहीं

पुलिस विभाग में पटना पुलिस की गाड़ी का चालक विभाग का नहीं है। अब सवाल यह उठता है की क्या यह नियमानुसार सही है? पुलिस विभाग में खासकर पुलिस थानों में भी अधिग्रहित की गई गाडियां चल रही हैं और इन वाहनों में कहां कहां विभाग के बाहर के चालक काम कर रहे हैं यह तो पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है लेकिन पटना थाना प्रभारी के वाहन चालक को विभाग के बाहर का चालक पसंद आ रहा है उसी से वह वाहन चलवा रहे हैं साथ ही वह उसी पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं यह बताया जा रहा है। बताया यह भी जा रहा है की थाना प्रभारी को आज की स्थिति में सबसे ज्यादा विश्वास उसी पर है। अपने ही थाने के कर्मचारियों पर उन्हे विश्वास नहीं है?

क्या वर्तमान थाना प्रभारी के काफी खास है वाहन चालक ?

पटना पुलिस थाना के प्रभारी के वाहन चालक को उनका खास बताया जाता है। वाहन चालक थाना प्रभारी का सबसे विश्वस्त है।। अपने ही पुलिस थाने के लोगों पर कर्मचारियों पर जितना थाना प्रभारी को भरोसा नहीं उससे ज्यादा भरोसा उन्हे अपने विभाग से बाहर के वाहन चालक पर है। वैसे पुलिस विभाग में गोपनीयता का भी काफी महत्व है लेकिन पटना पुलिस थाना इस मामले में अलग ही राह पर है और वह बाहर के व्यक्ति पर ही आश्रित है और वही थाना प्रभारी के लिए एक सूचना ग्रहण करने वाला है और देने वाला है उनकी तरफ से एक माध्यम है

मादक पदार्थों पर कार्यवाही करना तो सही है पर कार्यवाही के नाम पर वसूली करना भी क्या सही ?

सूत्रों की माने तो कई मामलों में मादक पदार्थो के धर पकड़ मामले में धर पकड़ हुई,माल भी बरामद हुआ लेकिन कार्यवाही के पहले मामला बीच में ही निपटा लिया गया। बताया जा रहा है और सूत्रों का कहना है की इन मामलों में कार्यवाही का भय दिखाया गया और बड़ी वसूली की गई। वैसे यह बात कितनी सच है इसकी पुष्टि घटती घटना नहीं करता। सभी मामले में थाना प्रभारी का वाहन चालक सामने आता है यह भी सूत्रों का कहना है और वही मामले में मध्यस्थ भी बनता है और वही मामले में पहले वाहन लेकर पहुंचता भी है। जब वह पहुंचता है पहले कार्यवाही के लिए कुछ दिखावा होता है फिर वह पुनः जाता है या संबंधित को बुलाया जाता है और वही चालक उनसे वसूली करता है।

वाहन चालक की वसूली को लेकर पटना क्षेत्र में चर्चा हुई आम

पटना के थाना प्रभारी का वाहन चालक उनके लिए वसूली करता है यह सूत्रों का दावा है। अब यह कितनी सच है बात इसकी पुष्टि हम नहीं करते लेकिन बता दें की आम जनचर्चा है की थाना प्रभारी पटना के लिए उनका चालक ही वसूली करता है और जिसे वह यह बोल देता है की वह बरी है मामले से वह बरी हो जाता है वहीं जिसे वह क्लीन चिट नहीं देता वह बच नहीं पाता है। अब वाहन चालक के साथ इस जुगलबंदी का राज कोई नहीं बता पा रहा है लेकिन बताया जा रहा है की वाहन चालक बाहरी है और उसके माध्यम से थाना प्रभारी काफी आसान महसूस कर रहे हैं इसलिए उसे ही अपने लिए अन्य कार्य के लिए मौखिक आदेश दे रखें हैं।

गुंडा निगरानी के पकड़-पकड़ाई के नाम पर भी हुई वसूली

गुंडा निगरानी के नाम पर एक दो दिन पुलिस पटना की काफी सक्रिय नजर आई...लगा अब कानून व्यवस्था सुधारने की जद्दोजहद शुरू है और जल्द सुधार होगा लेकिन जब निगरानी सुदा वापस शाम को घर लौटने लगे उनकी बातें जब लोगों ने सुनी कैसे उन्हे दिनभर बैठाकर बाद में वसूली कर छोड़ा गया यह लोगों ने जाना तब लोगों को भी आभास हुआ की बात कुछ और थी और वह इसे बदलाव समझ बैठे थे।

ग्राम पंचायत महोरा हुआ सचिव विहीन

प्रशासन के संज्ञान में नहीं

- सचिव के अभाव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए वार्डवॉर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य आरंभ नहीं
- गांधी जयंती के अवसर पर होने वाले विशेष ग्राम सभा का भी आयोजन पंचायत में नहीं हुआ
- पूर्व पदस्थ महिला सचिव का अपेक्षित प्रसव एक माह पूर्व हो जाने से हुई है ऐसी स्थिति निर्मित
- मातृत्व अवकाश पर जाने पूर्व पदस्थ सचिव ने नहीं दिया प्रभार
- सचिव की पदस्थापना के अभाव में ग्राम पंचायत के सभी कार्य हो रहे हैं प्रभावित

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत महोरा इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है...पर पता नहीं इन सुर्खियों की आवाज कोरिया जिले के शासन प्रशासन के कानों तक पहुंच भी रही है या नहीं या फिर प्रशासनिक अधिकारी कान में तेल डालकर बैठे हैं। मामला कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद के महोरा ग्राम पंचायत का है जो विगत एक माह से सचिव विहीन है। बगैर सचिव के पूरे ग्राम पंचायत का कार्य कलाप ठप्प पड़ा हुआ है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य जिसे प्रशासन सर्वोपरि मान कर चलता है, उसका कार्य भी पंचायत में आज तक प्रारंभ नहीं हो पाया है। जबकि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए पूरे जिले के ग्राम पंचायतों में वार्डवॉर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य जोर-शोर से प्रगति पर है। इसके अलावा शासन की महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी आयोजन जो प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर होता है, विशेष ग्राम सभा का आयोजन, वह भी इस पर ग्राम पंचायत महोरा में आयोजित नहीं हो पाया।

देखने-सुनने में बड़ा अजीब लगता है, और यह विडंबना भी है कि बैकुंठपुर जनपद पंचायत कार्यालय से चंद किलोमीटर दूर हाईवे पर लगा हुआ यह ग्राम पंचायत सचिन विहीन है। जिसकी वजह से ग्राम पंचायत के निवासियों के अलावा निर्वाचित पंच, सरपंच, उप सरपंच और अन्य लोग भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। यह कैसे मान लिया जाए की शासन प्रशासन के अधिकारियों को इस स्थिति की जानकारी नहीं है, क्योंकि पूरे छत्तीसगढ़ में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में वार्डवॉर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। और निर्वाचन जैसा महत्वपूर्ण कार्य शासन प्रशासन के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होता है। जब बैकुंठपुर जनपद पंचायत के प्रत्येक पंचायत में यह कार्य अनवरत चल रहा है, तो कैसे उ च च अधिकारियों को इस बात की भनक तक नहीं की एक ग्राम पंचायत ऐसा भी है, जहां इतना महत्वपूर्ण कार्य अभी तक प्रारंभ भी नहीं हो पाया। वहीं प्रतिवर्ष अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में होने वाले विशेष ग्राम सभा का आयोजन भी जब इस ग्राम पंचायत महोरा में नहीं हुआ तो उच्च अधिकारियों ने इस बात का संज्ञान क्यों नहीं लिया।

> **प्रशासन जिस सचिव को ग्राम पंचायत महोरा में चाह रहा है संलग्न करना,उसे पूर्व के पंचायत वाले रिलीव नहीं होने देना चाहते**

ग्राम पंचायत महोरा की यह स्थिति यहां पदस्थ महिला सचिव के आकस्मिक प्रसव के कारण निर्मित हुई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत महोरा में पदस्थ महिला सचिव का अपेक्षित प्रसव नवंबर माह में होना था, परंतु एक माह पूर्व ही प्रसव की स्थिति निर्मित हो जाने से उन्हें आकस्मिक मातृत्व अवकाश पर जाना पड़ा और इस कारण उन्होंने उच्च अधिकारियों से विधिवत अवकाश भी नहीं लिया तथा किसी अन्य को अपना प्रभार भी नहीं सौंपा। वर्तमान में स्थिति यह है कि जिस पंचायत सचिव को बतौर संलग्नीकरण ग्राम पंचायत महोरा की जिम्मेदारी दी गई, उसका भी क्रियान्वयन इतने दिनों के बीत जाने के बाद भी नहीं हो पाया। क्योंकि उक्त कर्मचारी जिस स्थान पर वर्तमान में पदस्थ है, वहां से उसे रिलीविंग नहीं मिल पा रही। विडंबना यह है कि इतनी बड़ी बात पंचायत विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में अभी तक क्यों नहीं है, और उन्होंने इतना लंबा समय बीत जाने पर भी इस दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नहीं किया। बहरहाल आगे क्या होगा और इतनी बड़ी चूक की जवाबदारी और जिम्मेदारी किस पर थोपी जाएगी, यह तो भविष्य के गर्भ में है। परंतु देखने सुनने में अपनी तरह का यह पहला मामला लग रहा है। निश्चय ही लापरवाहों के ऊपर कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए और जनहित में तत्काल पंचायत सचिव की पदस्थापना होनी चाहिए।

आस्था है या अश्लीलता के लिए अवसर,नवरात्रि पर्व पर हो रहे कई सांस्कृतिक आयोजनों में अश्लीलता परोसे जाने का लग रहा आरोप ?

सरगुजा के मैनपाट के बाद अब कोरिया जिले के जिला मुख्यालय में भी परोसी गई अश्लीलता,भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर किया विरोध दर्ज

-रवि सिंह-
कोरिया,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आस्था के नाम पर क्या अश्लीलता ही परोसा जाना अब आस्था के संदर्भ में आयोजन करने वालों के पास अंतिम विकल्प रह गया है जिससे आस्था के लिए अस्थाई या स्थाई किसी केंद्र पर आस्था रखने वाले बड़ी संख्या में पहुंच सकें या फिर ऐसा केवल व्यवसायिक सोच और अर्थ अर्जन से जुड़ा मामला है। शारदेय नवरात्रि पर्व अवसर पर इस वर्ष पुनः आस्था के बीच अश्लीलता का क्या काम जैसा प्रश्न खड़ा हो रहा है। यदि बात छत्तीसगढ़ की करें तो पहले सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र के नर्मदापुर से एक मामला सामने आया जहां दुर्गा पूजा आयोजन समिति के तत्वाधान में फूहड़ता और अश्लीलता मिश्रित गाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई वहीं जब मामले में बदनामी और आयोजन को लेकर विरोध दर्ज हुआ तब आयोजन समिति ने खुद को आयोजन से किनारे कर लिया और अंत में बात आई गई हुई जरूर लेकिन एक बड़ा प्रश्न छोड़कर की क्या बिना अश्लीलता वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अब आस्था संदर्भित आयोजन नहीं हो सकते। वैसे बताना जरूरी होगा की आस्था लिए अस्थाई साथ ही स्थाई कई केंद्रों पर आज भी केवल भक्ति वाले ही श्रद्धा वाले ही सांस्कृतिक कोई आयोजन होते हैं फिल्मी गानों पर नृत्य प्रस्तुति वह भी फूहड़ गानों पर नृत्य आयोजन वहां नहीं होते जबकि कुछ आयोजक बिना ऐसे आयोजनों के अपनी आत्म संतुष्टि ही नहीं मन में खोज पाते और अंत में वह वही काम कर जाते हैं जिससे आस्था और आयोजक को कहीं न कहीं बदनाम होना पड़ता है। धार्मिक अवसरों पर त्योहारों पर ईस्ट की पूजा अर्चना ही महत्वपूर्ण होती है और यदि और अधिक कुछ आवश्यक जान पड़ता है तो वहां धर्म संस्कृति से संबंधित कोई विषय या प्रस्तुतिकरण कराया जाना चाहिए जिससे धर्म संस्कृति से संबंधित ज्ञान का समाज में विस्तार हो सके नई पीढ़ी बिना किसी धार्मिक पुस्तक का अध्ययन किए ही जिससे धर्म को जान समझ सके। वैसे सरगुजा के मैनपाट के बाद अब कोरिया जिले के बैकुंठपुर जिला मुख्यालय से अश्लील गानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन की बात सामने आ रही है और यह किस आयोजन को लेकर लगाया गया आरोप है वह तो पता नहीं और जिला मुख्यालय में दो गरबा कार्यक्रम आयोजित हैं जिनमे से किसी एक में ऐसा हो रहा है अश्लील गानों पर गरबा नृत्य हो रहा है ऐसा आरोप भाजयुमो जिलाध्यक्ष खुद लगा रहे हैं सोशल मीडिया में। वैसे आयोजन एक कांग्रेस के खेमे में आयोजित है और एक भाजपा खेमे में यह भी बताया जा रहा है और कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अर्थ अर्जन है आस्था का कहीं कोई विषय इसमें नहीं है लेकिन भाजयुमो जिलाध्यक्ष किस आयोजन को लेकर आरोप लगा रहे हैं यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। खैर अब उनका आरोप किसी भी आयोजक के संदर्भ में हो अब यह तय हो चुका है की आस्था के बहाने व्यवसायिक मानसिकता वाले लोग आस्था को भी अपने लाभ का कारण बनाने में लगे हैं जिससे एक धर्म को उसकी छवि को पर्याप्त हानि हो रही है। अभी नवरात्रि का नौ दिवस पूर्ण भी नहीं हुआ कई जगह अभी सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं और बता दें इन्हीं कार्यक्रमों में से कई में अभी भी अश्लीलता परोसे जाने की बात सामने आयेगी यह भी तय है। आज लगातार यह देखा जा रहा है की आस्था के संदर्भ में होने वाले अधिकांश आयोजनों के दौरान कुछ अन्य आयोजन भी किए जाते हैं जिससे आस्था के नाम पर न सही आयोजनों के नाम से लोग घरों से बाहर निकलें और आयोजन स्थल पर आकर भीड़ बढ़ाएं।पूरा मामला भीड़ का भी है। अब धर्म आधारित कोई आयोजन होने ही बंद हैं और नृत्य गीत और अन्य आयोजन ही आयोजनों की शोभा हैं। आने वाले दिनों में और देखने को मिलेगा ऐसा?

निलंबित होने वाले नगर व ग्राम निवेश के अन्वेषक राजेश तारम को उसी जगह फिर मिली पदस्थापना कैसे?

क्या अन्वेषक राजेश तारम का निलंबन के बाद उसी स्थान पर पदस्थापन दिलाने में सहायक संचालक की भूमिका महत्वपूर्ण?

क्या अन्वेषक राजेश तारम अपने निरीक्षण के दौरान नर्सिंग कॉलेज निर्माण की जानकारी लिखकर देंगे या फिर जानकारी छुपा कर भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र दिलाएंगे?

नगर तथा ग्राम निवेशक कोरिया के अन्वेषक राजेश तारम नियम विरुद्ध तरीके से दिलाते हैं भवन अनुज्ञा प्रमाण-पत्रः सूत्र

अन्वेषक प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के नर्सिंग कॉलेज के निर्माणाधीन भवन पर आखिर निरीक्षण के दौरान क्या टीप देंगे क्या लिखेंगे?

बैकुंठपुर के केनापारा जो की बैकुंठपुर से पोड़ी बचरा मुख्य मार्ग पर स्थित एक गांव है में सड़क से लगी एक बड़ी भूमि पर जिसका रकबा एक एकड़ से जरा ही कम है पर एक भवन का निर्माण हो रहा है जो सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि है वहीं भूमि पर नर्सिंग कॉलेज के निर्माण का कार्य जारी है जो सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की पत्नी पिता के संयुक्त साझेदारी वाली एक संस्था है जिसने प्रिंस जायसवाल से जमीन लीज पर ली है और निर्माण नर्सिंग कालेज का करा रही है। बता दें की उक्त निर्माण के दौरान अभी तक भवन निर्माण की अनुज्ञा या नगर निवेश कार्यालय से अनापत्ति नहीं ली गई है वहीं निर्माण जोर शोर से जारी है जो सूत्रों का कहना है। अब बातें कितनी सच हैं इसकी पुष्टि हम नहीं करते लेकिन सूत्रों के अनुसार यदि यह सत्य है की नगर निवेश से अभी तक अनापत्ति नहीं मिली है तो नगर निवेश विभाग के लोग खासकर अन्वेषक निरीक्षण में जाने के दौरान क्या टीप देंगे यह बड़ा सवाल है। वैसे नगर निवेश कार्यालय के अन्वेषक व सहायक संचालक प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के गिरफ्त में हैं और उनके अनुसार ही वह कार्य करेंगे यह आम चर्चा है अब क्या इस बात में सच्चाई है तो वह उक्त निर्माण को सही ठहराने गलत रास्ता चुनकर सही का टिप लिखेंगे या फिर अन्य के साथ होने वाली कार्यवाही की तरह नगर निवेश का लंबा अर्थ दंड वह निश्चित करने टिप करेंगे यह देखने वाली बात होगी।

-रवि सिंह-
कोरिया,08 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नगर व ग्राम निवेश कार्यालय में पदस्थ राजेश कुमार तारम पहुंचे फकीर माने जाते हैं,क्योंकि इनका सहयोग कोई और नहीं उनके ही अधिकारी याने की सहायक संचालक करते हैं काफी उनके खास है और खास किसलिए हैं यह भी बड़ा सवाल है? जानकारी के मुताबिक 11 जून 2024 को राजेश कुमार तारम को कोरिया कलेक्टर ने निलंबित कर दिया था क्योंकि वह कार्यालय में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे,कार्य के संपादन में उनकी लापरवाही सामने आई थी जिसको लेकर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधान के प्रतिकूल होने के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था, निलंबित होने के बाद जहां उनकी जगह पर अन्य व्यक्ति की पदस्थापना होनी थी वहां दोबारा उन्होंने पहुंच और पकड़ के दम पर उसी जगह पर पदस्थापना पाने में सफलता पाई, सूत्रों की माने तो सहायक संचालक व अन्वेषक राजेश कुमार तारम के संबंध काफी प्रगाढ़ है उच्च अधिकारियों से इसी वजह से दोनों एक साथ काम करना पसंद करते हैं जहां पर निलंबन के बाद उसी स्थान पर पदस्थापना नहीं दी जाती वही उनके सहायक संचालक के पैरवी से दोबारा निलंबन से बहाल होने के बाद पदस्थापना दी गई जो कहीं ना कहीं कई सवाल खड़े करते हैं? सूत्रों का यह भी दावा है की अन्वेषक ग्राम निवेश में आने वाली जमीन जो व्यवसायिक दृष्टि से निर्माण होता है उसमें भवन निर्माण अनुज्ञा लेनी होती है जिसके लिए निरीक्षण करने भी यही जाते हैं और निरीक्षण के दौरान ले देकर सब चीज छुपा ली जाती है और नियम विरुद्ध तरीके से भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है और इस प्रमाण-पत्र को देने के लिए अच्छी मोटी रकम भी वसूली जाती है हमने इस मामले में कई लोगों से बात की सभी ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि यदि पैसा नहीं देते हैं तो किसी भी अखबार वाले से खबर छपवाया जाता है उसके बाद फिर मोटी रकम की डिमांड की जाती है यह इनका नया पैतरा है।

नगर निवेश कार्यालय के सहायक संचालक के पिता का मुख्यमंत्री के संबंध है गहरे?

नगर ग्राम निवेश कार्यालय कोरिया के सहायक संचालक लोगों को आम बातचीत में यह भी बताते नजर आए थे की जब वर्तमान मुख्यमंत्री भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री थे उस समय उनके पिता उनके साथ काम कर चुके हैं जिस वजह से दोनों की पहचान काफी अच्छी है इसी का फायदा उठाकर अन्वेषक का निलंबन के बाद बहाली भी उसी स्थान पर उन्होंने करवाया, अब यह बात कितनी सत्य है यह तो वही जानेंगे पर अपने मुख से किसी को बताई थी उन्होंने यह बात जो आम चर्चा बनी और अब जिले के अधिकारी भी उनसे काफी घुलमिलकर रहते हैं ऐसा वह खुद बताते हैं जो मुख्यमंत्री से उनके नजदीकी संबंधों के कारण संभव हो पा रहा है, इसकी पुष्टि दैनिक घटती-घटना नहीं करता सूत्रों के हवाले से यह जानकारी आई है।

खबर के बाद भी भवन निर्माण अनुज्ञा का शुल्क नहीं हुआ था जमा लेकिन नर्सिंग कॉलेज का निर्माण है जारी

बता दें की प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की पत्नी पिता संयुक्त साझेदारी में एक नर्सिंग कॉलेज संचालित करते हैं जो कांग्रेस शासनकाल से ज्यादा फला फूला और उस समय प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की तत्कालीन सरकार में अच्छी पकड़ ही इसका कारण बनी और धीरे धीरे उन्होंने तभी से यह तय कर लिया था की उनका नर्सिंग कॉलेज उनके अपने ही भवन में संचालित होगा जो वर्तमान तक किराए के भवन में संचालित है ,वह अपनी मंशा अनुसार जमीन भी महंगी पहले खरीद लिए और बाद में उस पर निर्माण भी चालू हुआ वह भी तब जब भाजपा की सत्ता सरकार प्रदेश में कार्य करने लगी। प्रभारी डीपीएम सूरजपुर ने भाजपा सरकार में भी पकड़ बना ली और अपने नर्सिंग कॉलेज भवन का निर्माण कार्य युद्ध गति से चालू भी कर रखा है और जिसके लिए नगर निवेश से अनापत्ति नहीं लिए जाने की सूचना पर दैनिक घटती घटना ने समाचार भी प्रकाशित किया लेकिन बताया जा रहा है की अभी भी न तो अनापत्ति प्राप्त है न ही अभी तक शुल्क ही जमा है। वैसे बिना अनापत्ति और बिना जुर्माना पटाए कैसे निर्माण जारी है नगर निवेश क्यों मौन साधे बैठा है यह भी एक बड़ा प्रश्न है। वैसे बता दें की खबर के बाद नगर निवेश को संज्ञान लेना था और जिसने संज्ञान नहीं लिया है यह पुख्ता खबर है।

क्या सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम के नर्सिंग कॉलेज के लिए नियम विरुद्ध जाकर निवेश कार्यालय जारी करेगा भवन निर्माण अनापत्ति प्रमाण पत्र?

नगर निवेश कार्यालय का कार्य होता है की वह भवन निर्माण के संबंध में आवेदनों को देखे और उसका परीक्षण करें साथ ही मौके पर जाकर मौका स्थल निरीक्षण कर वह भी भवन निर्माण से पूर्व निरीक्षण कर अनापत्ति निर्माण के लिए जारी करे जो अभी तक प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के मामले में नहीं जारी किया गया है न स्थल निरीक्षण किया गया है जैसा सूत्रों का दावा है और फिर भी निर्माण जारी है। अब सवाल यह उठता है की क्या अब नगर निवेश कार्यालय उसे ऐसे ही अनापत्ति पत्र जारी कर देगा और नियम कायदे आम के लिए हैं खास के लिए यह साबित कर देगा इस मामले।

क्या निर्माण की जानकारी छुपा कर नर्सिंग कॉलेज संचालक को दी जाएगी भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र?

प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के पत्नी पिता के संयुक्त साझेदारी वाला नर्सिंग कॉलेज जो बैकुठपुर में फिलहाल किराए के भवन में संचालित है जहां भी विवाद है वह अब नए अपने भवन की तैयारी में लगा हुआ नर्सिंग कॉलेज फर्म है एक तरह से। अभी तक केनापारा में निर्माणाधीन भवन के लिए अनुमति या अनुज्ञा के लिए कोई कार्यवाही नहीं हुई है कोई अनापत्ति नहीं हुई है जारी ऐसी जानकारी मिल रही है वहीं जानकारी यह भी मिल रही है की नर्सिंग कॉलेज के भवन निर्माण उपरांत सीधे अनुमति देने की प्रमाण पत्र देने की तैयारी में है विभाग क्योंकि प्रभारी डीपीएम की कांग्रेस के बाद भाजपा में भी ऊंची पकड़ के कारण ऐसा संभव है क्योंकि वह हर दल अजीज बन जाने की क्षमता महारत रखते हैं और दल बदल वाले एक्ट के प्रबल विरोधी भी हैं वह।

सनातन धर्म की जय गूंज के साथ संपन्न हुआ डीपीएस का स्वर्ण महोत्सव

भगवती जागरण में शहनाज अख्तर को सुनने हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे सूरजपुर

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

डीपीएस दुर्गा पंडाल सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति भैयाथान रोड सूरजपुर के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण महोत्सव के अवसर शारदीय नवरात्रि पंचमी तिथि पर आयोजित मां भगवती के रात्रि जागरण कार्यक्रम का आयोजन शहर के हृदय स्थल अग्रसेन चौक के समीप पुराना बस स्टैंड परिसर के पीछे चौपाटी मैदान में किया गया था। इस भगवती जागरण क्या आयोजन में मशहूर गायिका शहनाज अख्तर एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा भक्तिमाय गीतों से भगवामय माहौल में अपने भजनों से अमृत वर्षा की शानदार प्रस्तुति दिया गया। उक्त आयोजन को लेकर समिति के 49 वर्ष पूर्ण होने के बाद से ही आयोजन समिति ने पिछले वर्ष से ही इस आयोजन की तैयारी व रूपरेखा बनाना प्रारंभ कर दीया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री माननीय श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर क्षेत्रीय विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, समिति के संरक्षक भीमसेन अग्रवाल, डीपीएस के अध्यक्ष ईश्वर चन्द गुप्ता, रामावतार अग्रवाल मंचासीन रहे।

स्वर्ण महोत्सव के अवसर ठीक रात्रि 10 बजे भैयाथान रोड स्थित(डीपीएस) दुर्गा पंडाल शक्तिपीठ में मां दुर्गा की आरती के पश्चात सर्वप्रथम गायिका शहनाज अख्तर भैयथान रोड़ पंडाल पहुंची जहां माता के दर्शन उपरांत आयोजन समिति के द्वारा प्रसाद स्वरूप गायिका को मां की चुनरी भेंट किया गया। इसके पश्चात ठीक रात्रि 10:00 बजे गायिका शहनाज अख्तर के कार्यक्रम स्थल पुराना बस स्टैंड चौपाटी मैदान पहुंचे ही कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ शहनाज अख्तर के ऊपर जोरदार पुष्प वर्षा और भजनों की अमृत वर्षा के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ तो इसी बीच मंचासीन अतिथियों का माता की चुनरी, मोती की माला व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत सम्मान किया गया।

मंच से कहा थैंक्यू टीआई साहब

महसूर गायिका शहनाज अख्तर ने मंच से सूरजपुर पुलिस कोतवाली टीआई विमलेश दुबे और उनकी पूरी टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा की आज मैं सूरजपुर की इस धरती पर बहुत ही प्रसन्न हूं और आपकी व्यवस्था से सुरक्षित महसूस कर रही हु। इस अवसर पर आयोजन समिति के उपाध्यक्ष रामावतार बंसल, सुरेश मित्तल, अमृतलाल गर्ग, सुभाष बंसल, राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, सह कोषाध्यक्ष त्रिलोकचंद्र गर्ग, अजय मित्तल, सचिव कृष्ण बंसल, उपसचिव हर्ष बंसल मनोज गोयल, सह सचिव ललित तायल, व्यवस्थापक सुशील बंसल, सह व्यवस्थापक विनोद मित्तल, विकास मित्तल, विनोद जैन, भीमसेन मित्तल, प्रमोद जैन, शंभूदयाल अग्रवाल, आशीष मित्तल, अंकुर गर्ग सहित (डीपीएस) सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति भैयाथान रोड सूरजपुर आयोजन समिति के सदस्यगण काफी संख्या में सक्रिय रहे। मंच का सफल संचालन शैलेश गोयल व संस्कार अग्रवाल के द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही वृद्धि

एमसीबी जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मिल रही है सीजेरियन प्रसव की सुविधा

मनेंद्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना से लोगों को मिल रहा है लाभ

-संवाददाता-
रायपुर/एमसीबी,08 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के सामान्य प्रसव की सुविधाएं उपलब्ध थी, किंतु उच्च जोखिमवाली गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन हेतु अक्सर दूसरे अस्पतालों का रूख करना पड़ता था। वर्तमान मेस्थानीय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से अब जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन की सुविधा भी मिल रही है। सीजेरियन की सुविधा उपलब्ध होने से अब गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में सिजेरियन सेक्शन का लाभ मिलने कारण जिले के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों जैसे भरतपुर की गर्भवती महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का प्रयास है कि जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। श्री जायसवाल के लगातार प्रयास से ही किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को अब डायलिसिस के लिए भटकना नहीं पड़ता है। मरीजों की इस कठिनाइ को देखते हुए नवीन जिला एम.सी.बी के अंतर्गत हाल ही में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - मनेन्द्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना की गई है। इस सेंटर की स्थापना से स्थानीय क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिली है। मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी दोनों बीमारी से ग्रसित किडनी मरीजों का डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए क्षेत्र के लोगों ने श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट किया है। श्री श्याम बिहारी जायसवाल एमसीबी जिले के साथ ही पूरे प्रदेश मे स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि भी हो रही है, जिसका सीधा लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है।

कार्यालय कृषियंत्री,(बिलासपुर/सरगुजा-संभाग)

नूतन चौक,इंदिरा विहार (SECL)कॉलोनी के सामने
सरकण्डा,बिलासपुर(छ0ग0) पिन नं-495006

Email ID:acbilaspur@gmail.com Telephone No.:-07752-405087

सूचना

सर्व कृषकगणों को सूचित किया जाता है कि केन्द्र पोषित फार्म मशीनरी बैंक स्थापना करने हेतु कृषि यंत्रों की खरीदी पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन अपने जिले के कार्यालय उपसंचालक कृषि एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के माध्यम से कर सकते हैं। आवेदन पत्र सीधे कार्यालय कृषि यंत्री,बिलासपुर नूतन चौक सरकण्डा, पिनः-495001को भी प्रेषित किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन संपर्क नं.:-07752-405087 में कॉल करें। आपके जिले के लिए लक्ष्य निम्नानुसार हैः-

क्रं	जिले का नाम	भौतिक लक्ष्य			रिमार्क
		मद	लक्ष्य		
			25.00 लाख	10.00 लाख	
1	सरगुजा	13	2	4	सामान्य अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग के कृषकों हेतु
		41	4	5	अनुसूचित जनजाति के कृषकों हेतु
		64	-	-	अनुसूचित जाति के कृषकों हेतु

कृषि यंत्री
(बिलासपुर/सरगुजा-संभाग)
बिलासपुर (छ0ग0)

जी.नंबर-242502978/1

आवश्यकता है

सीईओ-एफपीओ भर्ती हेतु विज्ञापन

क्रमांक/04/एफपीओ/2024-25 शंकरगढ़,दिनांक-07/10/2024

नयी राह वुमेन फार्मर प्रोड्युसर कंपनी लिमिटेड के व्यवसाय प्रबंधन, नेतृत्व समीक्षा वित्तीय मामलों की देखरेख एवं निगरानी हेतु सीईओ का चयन किया जाना है। जिस हेतु आवेदन/बायोडाटा आमंत्रित है। यह भर्ती पुर्णतः अस्थायी रूप से की जायेगी। पूर्णतः एफपीओ के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, निजी संस्था से कोई संबंध नहीं है।

आवेदन करने की प्रारंभ तिथि-01.10.2024
आवेदन की अंतिम तिथि- 10.10.2024 (सायं 05.00 बजे तक)
प्रक्रिया- केवल ऑफलाइन माध्यम से आवेदन/बायोडाटा स्वीकार किया जायेगा।
पता- नयी राह वुमेन फार्मर प्रोड्युसर कंपनी लिमिटेड, ग्राम पंचायत-शंकरगढ़, वि.ख. शंकरगढ़, जिला- बलरामपुर(छ.ग.) 497118
शैक्षणिक योग्यता- शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक या बीबीए समकक्ष।
अनुभव-ग्रामीण क्षेत्रों में एग्री उत्पाद, वनोपज, स्थानीय उत्पाद के प्रसंस्करण, ग्रडिंग एवं मार्केटिंग में कार्यानुभव को प्राथमिकता।
अन्य योग्यता- हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्थान भाषा का ज्ञान हो। साथ ही कम्प्युटर, लेखा एवं डाटा प्रबंधन।
निवासी- छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी हो।
आयु सीमा- दिनांक 01.01.2024 की स्थिति में 21 वर्ष से अधिक तथा 45 वर्ष से कम हो।
मानदेय- मासिक मानदेय एकमुश्त 15000 से 25000/ प्रतिमाह बी.ओ.डी. सदस्यों के अनुमोदन उपरांत।
nayirah 20242024@gmail.com
मो0न0:-8817797361, 9302307382

बी.ओ.डी
नयी राह वुमेन फार्मर प्रोड्युसर कंपनी लिमिटेड,
ग्राम पंचायत-शंकरगढ़,वि.ख. शंकरगढ़,
जिला- बलरामपुर(छ.ग.)

संक्षिप्त खेल की खबरें

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ट्रेविस हेड से ना कराए ओपनिंग

सिडनी,08 अक्टूबर 2024। अगले महीने नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर अपनी टीम को एक बड़ी सलाह दी है। दरअसल, चैपल ने भारत के खिलाफ खेली जाने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बताया है कि उनको ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिए।

2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित शर्मा

बचपन के कोच ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने हिटमैन को लेकर बड़ा दावा किया है। दिनेश लाड ने कहा है कि, रोहित शर्मा भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें, लेकिन 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में वे खेलते हुए नजर आएंगे। उनका कहना है कि रोहित की उम्र बढ़ रही है और वह वनडे क्रिकेट पर फोकस करने के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले सकते हैं।

शाकिब अल हसन खेल पाएंगे अपने घर पर विदाई टेस्ट मैच

मीरपुर,08 अक्टूबर 2024। बांग्लादेश की टीम के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के फैंस को लिए अच्छी खबर है। दरअसल, शाकिब अपनी सरजमीं पर अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारत के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच उनका विदाई टेस्ट मैच माना जा रहा था। लेकिन वह आखिरी विदेशी टेस्ट कहा जाएगा, क्योंकि उनके बांग्लादेश के मीरपुर में विदाई टेस्ट सीरीज खेलने के रास्ते लगभग साफ हो चुके हैं। जो सपना शाकिब ने देखा था, वह साकार होने जा रहा है। वे अपना विदाई टेस्ट मैच अपने होम ग्राउंड पर खेलना चाहते थे और अब ये संभव लग रहा है।
शाकिब अल हसन को युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुईजान से मजबूत समर्थन मिला है, जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत इच्छा व्यक्त की है कि ये दिग्गज ऑलराउंडर बांग्लादेश में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेले। भुईजान ने बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच खेले वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मैच के दौरान कहा कि, शाकिब एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने देश के लिए बहुत योगदान दिया है।

भारत बांग्लादेश आज फिर होंगे आमने-सामने

» दूसरे टी 20 मैच के लिए दिल्ली पहुंची टीम इंडिया,
» इस तरह से हुआ दमदार स्वागत

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम पहला मैच जीतकर सीरीज में आसानी से बढ़त बना ली थी। पहले मैच में भारतीय टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया था। तब बांग्लादेश ने 128 रनों का टारगेट दिया, जिसे टीम इंडिया ने आसानी से हासिल कर लिया। अब टीम इंडिया दूसरा मैच जीतने के लिए देश की राजधानी दिल्ली पहुंच चुकी है।

फैंस के साथ नाचे सूर्यकुमार यादव

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भारतीय टीम ग्वालियर से दिल्ली जाती हुई दिख रही है। इसके बाद दिल्ली पहुंचने पर भारतीय टीम का ढोल नगाड़े से स्वागत हो रहा है। वीडियो में बस से होटल में जाते हुए संजू सैमसन, रिंकू सिंह, नितीश रेड्डी दिखाई देते हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव फैंस को ढोल की थाप पर नाचते हुए दिखाई भी देते हैं। वीडियो में प्लेयर्स के कई मजेदार पल कैद हैं।

बांग्लादेश की टीम ने अभी तक जीता है सिर्फ एक मैच

भारत और बांग्लादेश के बीच अभी तक कुल 15 टी20 इंटरनेशन मैच खेले गए हैं, जिसमें से 14 में भारत ने जीत हासिल की है और सिर्फ एक बार बांग्लादेश को जीत नसीब हुई है। खास बात ये है कि बांग्लादेश ने टीम इंडिया के खिलाफ अपना एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मैच साल 2019 में दिल्ली के मैदान पर ही जीता था।

पहले मैच में दो प्लेयर्स ने किया था डेब्यू

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने नितीश कुमार रेड्डी और मयंक यादव का डेब्यू करवाया था। इन दोनों ही प्लेयर्स ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। ऐसे में दूसरे टी20 मैच में प्लेइंग इलेवन में ज्यादा बदलाव की संभावना नजर नहीं आती है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती ने कमाल करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए थे।

टी 20 सीरीज के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी इस प्रकार है...

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, तिलक वर्मा, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह , हर्षित राणा, मयंक यादव।
बांग्लादेश: नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह, लिट्टन दास, जाकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, रकीबुल हसन।

भारत-श्रीलंका महिला क्रिकेट मैच आज

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में मिला-जुला परिणाम हासिल करने वाली भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप के ग्रूप ए में बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने नेट रन रेट में सुधार करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है।
उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 106 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उसने 18.5 ओवर खेले। भारत की टूर्नामेंट में अभी तक सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन रहा है विशेष कर शेफाली वर्मा और उप कप्तान स्मृति मंधाना अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए हैं।
शैफाली ने जहां पहले दो मैच में दो और 32 रन बनाए वही मंधाना 12 और सात रन ही बना सकी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर दबाव कम करने के लिए इन दोनों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अभी तक दो मैच में 15 और 29 रन बनाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर का गर्दन में चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ खेलना संदिग्ध है जिससे भारत की समस्या और बढ़ गई है।हरमनप्रीत पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गई थी और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा था। ऐसी परिस्थितियों मेंजेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रिचा घोष को बल्लेबाजी ने अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में 19 रन देकर तीन विकेट हासिल करके अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर से अधिक सहयोग की जरूरत है।पूजा पिछले मैच में नहीं खेली थी। भारतीय टीम स्पिन विभाग में दीप्ति शर्मा पर बहुत अधिक निर्भर है लेकिन वह टूर्नामेंट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और लेग स्पिनर आशा शोभना ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत को श्रीलंका के खिलाफ खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि ग्रुप के अंतिम मैच में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से होगा। श्रीलंका के खिलाफ भारत को केवल जीत नहीं बल्कि बड़ी जीत की जरूरत है जिससे कि उसके नेट रन रेट में सुधार हो सके। श्रीलंका को अपने पहले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन भारत उसकी टीम को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगा। विशेषकर अगस्त में एशिया कप फाइनल में मिली हार के बाद भारतीय टीम अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ सतर्क होकर खेलेगी।भारतीय खिलाड़ी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि अब श्रीलंका की टीम केवल अपनी कप्तान चमारी अटापट्टू पर ही निर्भर नहीं है तथा उसके पास अन्य मैच विजेता खिलाड़ी भी हैं।

पाकिस्तान ने कर दिखाया कमाल

तीसरी बार हुआ ऐसा करिश्मा

करांची,08 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हुआ। पहले दिन मेजबान पाकिस्तान टीम के नाम रहा। पाकिस्तान ने मुल्तान में पहले दिन सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और कप्तान शान मसूद के शतक के दम पर 300 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक पाकिस्तान ने 4 विकेट खोकर 328 रन स्कोरबोर्ड पर लगा दिए थे। पहले दिन शफीक 102 रन बनाकर आउट हुए जबकि कप्तान शान मसूद 151 रन बनाने के बाद जैक लीच का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने तक सऊद शकील 35 रन और नसीम शाह 0 रन पर नाबाद लौटे।

पाकिस्तान ने रचा कीर्तिमान

दूसरे दिन का आगाज भी पाकिस्तान ने शानदार अंदाज में किया। नसीम और शकील के बीच 5वें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद नसीम शाह 33 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद विकटों का गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा लेकिन पाकिस्तान टीम चायकाल तक 500 का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही। इस तरह पाकिस्तान टीम ने नया इतिहास रच दिया।दरअसल, बैजबॉल एरा यानी ब्रैंडन मैकुलम के इंग्लिश टीम का कोच बनने के बाद से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट की एक पारी में महज तीसरी बार 500 से ज्यादा का स्कोर बना है। पाकिस्तान ने दूसरी बार ये कारनामा किया है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने साल 2022 में नॉटिंघम मे 553 रनों का स्कोर खड़ा किया था। वहीं, पाकिस्तान ने साल 2022 में रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ 559 रन बनाए थे।

सऊद शकील शतक से चूके

दूसरे दिन के खेल की बात करें तो नसीम शाह 33 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मोहम्मद रिजवान भी बल्ले से फेल रहे और अपना खाता भी नहीं खोल पाए। मिडल ऑर्डर के लड़खड़ाने के बाद सऊद शकील ने आगा सलमान के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और टीम का स्कोर 450 के पार ले गए। इसके बाद सऊद शकील 82 रन और आगा सलमान 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम ने 464 रन के स्कोर पर 8 विकेट खोने के बावजूद हार नहीं मानी और जल्द ही 500 का स्कोर भी पार कर लिया। आगा सलमान ने शाहीन अफरीदी के साथ मिलकर चायकाल तक टीम का स्कोर 138 ओवर में 8 विकेट पर 515 रन पहुंचा दिया।

भारत दौरे पर आएगी न्यूजीलैंड की महिला टीम

वनडे सीरीज में होंगे कुल 4 मैच

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2024।महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 बहुत ही शानदार अंदाज में खेला जा रहा है और फैंस को रोज ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। जहां भारतीय महिला टीम और न्यूजीलैंड की महिला टीमें एक ही ग्रुप में शामिल हैं। दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हो चुका है, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को 58 रनों से पटखनी दी है। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद न्यूजीलैंड महिला टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां वह तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। ये मैच 24, 27 और 29 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ये मुकाबले आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप 2022-25 का हिस्सा हैं।

राष्ट्रपति ने मिथुन चक्रवर्ती सहित कई विजेताओं को नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित कीं

भारतीय सिनेमा की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित 70 वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी शुरू हो गई है। यह आयोजन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हो रहा है। जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सभी विजेताओं को सम्मानित कर रही हैं। इस साल सबसे गौरवपूर्ण दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया गया। अगस्त महीने में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई थी।
डेढ़ महीने पहले 16 अगस्त को 70 वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स यानी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई थी। इसमें प्रशांत नील की फिल्म केजीएफ 2 ने बाजी मारी, जिसे दो कैटिगरी में अवॉर्ड जीता। जबकि मनोज बाजपेयी को सीरीज गुलमोहर के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया जाएगा। रणबीर कपूर स्टारर ब्रह्मास्त्र के लिए प्रीतम को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिलेगा। ऋषभ शेट्टी को कांतारा के लिए बेस्ट एक्टर और नित्या मेनन, मानसी पारेख को बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड दिया जाएगा।

जानी मास्टर से छीना गया राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के इतिहास में पहली बार किसी विजेता से अवॉर्ड छीन लिया गया है। नाबालिग असिस्टेंट से रेप के आरोपी कोरियोग्राफर जानी मास्टर से बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड छीना गया है। उन्हें अब कोई सम्मान नहीं मिलेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बीते रविवार को को इसकी जानकारी दी। कहा कि जानी के खिलाफ उनकी असिस्टेंट रही लड़की ने 15 सितंबर को तेलंगाना के साइबराबाद रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई है। इस बाबत उन्हें अवॉर्ड की लिस्ट से बाहर किया जाता है। जानी मास्टर को साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। गाने को उन्होंने सतीश कृष्णन के साथ कोरियोग्राफ किया था।

चाहत पांडे पर भड़के विवियन डीसेना, बिस्तर को लेकर दोनों में हुआ झगड़ा

एक्टर विवियन डीसेना इन दिनों रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 18 में दिखाई दे रहे हैं। अभी पहला दिन तो उनका ठीक-ठाक ही रहा। मगर दूसरे दिन उनका पंगा हो गया। शो के लेटेस्ट प्रोमो में उनका और चाहत पांडे के बीच सोने को लेकर बहसबाजी देखने को मिली है।
बिग बॉस सीजन 18 के प्रोमो में रात का समय है, जब लिविंग एरिया में ही सबको बताते हैं कि वह जिस दिन से आए हैं, उस दिन से उनके पास बेड नहीं है। फिर चाहत ने हैरानी जताते हुए कहा कि अगर आप अकेले तो फिर मैं सो जाती हूं।

चाहत ने विवियन को बताई दिक्कत

फिर चाहत, विवियन को लेकर बेडरूम एरिया में जाती हैं। वहां पूछती हैं कि यहां कोई बेड खाली है क्या इनको सोने के लिए? फिर विवियन उनसे ही पूछते हैं कि वह यहां पर क्यों नहीं सोती, क्या दिक्कत है? तो एक्ट्रेस ने कहा कि उनको खर्राटों की दिक्कत है।

विवियन डीसेना का हुआ पारा हाई

चाहत ने पूछा कि क्या वह किसी के साथ सो नहीं सकते या सोना ही नहीं चाहते? फिर विवियन ने बताया कि सोते वक्त उनके हाथ-पैर चलते हैं। वह नहीं चाहते हैं कि किसी की नाक-मुंह पर लग जाए, अभी से नहीं बहुत पहले से ही। और वह ये बात अब और 5 बार दोहरा नहीं सकते। दो बार ये बात बता चुके हैं।

चाहत पांडे पर भड़के विवियन डीसेना

चाहत ने कहा कि उस बेड पर श्रुतिका भी है तो आपको पूछना भी पड़ेगा तो विवियन ने कहा कि पड़ेगा-वड़ेगा तो सुनता ही नहीं हूं। या तो मैं यहां लिविंग में सोऊंगा या फिर वो बेड पूरा खाली हो। फिर चाहत बोलीं कि वह यही सोएंगी और बेड का सामान खाली चाहिए तो उन्हें श्रुतिका को बोलना पड़ेगा। फिर विवियन ने कहा कि ऑर्डर न सुना लड़की।

क्या तुम टॉप पहनना भूल गई? परिवार के सामने अनन्या की कजिन ने पहने छोटे कपड़े, बेटी को देख चकराए चिक्की पांडे

पिता के रिएक्शन से हैरान रह गईं अलाना

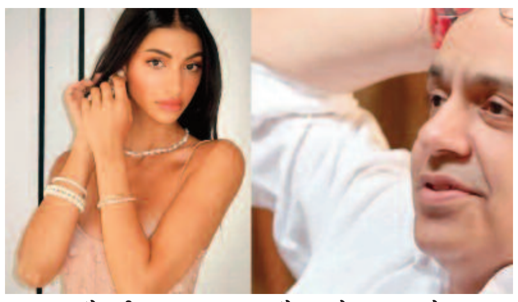

अनन्या पांडे की बहन अलाना पांडे अपने लुक्स को लेकर अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं। अलाना एक यूट्यूबर और फेमस इंफ्लूएंसर हैं, जो पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में हैं। अलाना अपने बोल्ड लुक्स के लिए मशहूर हैं और अब वो एक रियेलिटी शो का भी हिस्सा बन गई हैं, जिसका नाम है द ट्राइब। इस रियेलिटी शो में दिखाया जाएगा कि कैसे यंग इंफ्लूएंसर लॉस एंजिल्स में खुद को स्टैबलिश करने में लगे हैं और कुछ बड़ा करना चाहते हैं। इस बीच अलाना का एक वीडियो चर्चा में है, ये वीडियो खुद अलाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें उनके पिता चिक्की पांडे को उनके कपड़ों को लेकर सवाल करते देखा जा सकता है।

अलाना के कपड़े देख चिक्की पांडे ने टोका

ये वीडियो अलाना पांडे के शो से जुड़ा है। वीडियो में अलाना अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल भी बढ़ा दी है। इस वीडियो में अलाना अपने परिवार के सदस्यों के साथ बैठी हैं। उन्होंने एक ग्रीन ब्रालेट और व्हाइट जॉगर्स पहने हैं। बेटी का यह अवतार देख चिक्की पांडे कहते हैं- %अलाना, क्या तुम किसी वजह से अपना टॉप पहनना भूल गई हो। अपने पिता की ये बात सुनकर अलाना हैरान रह जाती हैं।
हैरानी के साथ अलाना उठती हैं और पूछती हैं- आप सीरियस हैं, इस आउटफिट के साथ क्या गलत है। इस पर चिक्की पांडे कहते हैं- तुम्हें नहीं लगता कि तुम्हे शर्ट की जरूरत है। इस पर अलाना कहती हैं- ये शर्ट ही है। तो चिक्की फिर बेटी की बात काटते हैं- ये एलए नहीं है, ये बांद्रा है। अलाना जवाब देती हैं- ये ब्रालेट है और ये एक टॉप है। चिक्की फिर बेटी से कहते हैं- क्या कहा तुमने ब्रा, तो तुम्हे नहीं लगता की ये कवर होनी चाहिए। ये सुनकर अलाना हंसते हुए बैठ जाती हैं।
अलाना की बात करें तो अलाना पिछले कुछ सालों से लगातार चर्चा में हैं। पहले अलाना अपनी स्टार स्टडेड शादी को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने 16 मार्च 2023 को आइवर मैक्री से शादी की है। आइवर यूएस बेस्ड फिल्ममेकर हैं। इस शादी में शाहरुख खान भी अपने पूरे परिवार के साथ शामिल हुए थे। शादी के करीब 1 साल बाद अलाना ने बेटे रिवर का इस दुनिया में स्वागत किया। अलाना यूट्यूब पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने व्लॉग्स के लिए काफी चर्चित हैं। पिछले दिनों ही उन्होंने अपने बेटे को पहली बार पूरे परिवार से मिलाते हुए एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें अनन्या भी मां भावना पांडे के साथ नजर आई थीं। अलाना, अनन्या की चचेरी बहन हैं।

गरीबों के खातों के जरिये 300 करोड़ का लेनदेन

» मामला किया गया आयकर के सुपुर्द...

» हाईकोर्ट से नहीं मिली अग्रिम जमानत...

» तांत्रिक क्रिया के चलते बड़े-बड़े महानुभाव पहुंचते थे चौखट पर...

बिलासपुर/रायपुर,08 अक्टूबर 2024(ए)। 15 करोड़ की ठगी के मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करने के बाद से फरार व्यवसायी केके श्रीवास्तव को जहां एक ओर भगोड़ा घोषित किया गया वहीं दूसरी ओर उसे हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिली और उसकी अग्रिम जमानत याचिका रद्द कर दी गई। इस दौरान सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ है कि श्रीवास्तव ने गरीबों के खाते खुलवा कर कई सौ करोड़ रुपयों का लेनदेन किया है। इस मामले की जांच अब आयकर विभाग करेगी, वहीं ईडी की भी जल्द ही इंट्री होने की खबर सामने आ रही है।

दिल्ली के व्यवसायी से की ठगी

कांग्रेस के शासनकाल में पूर्व सीएम के करीबी रहे केके श्रीवास्तव की राज्य की सत्ता पर दखलंदाजी थी। वे छत्तीसगढ़ से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में सत्ता का प्रभाव दिखाकर बेजा इस्तेमाल भी करते रहे हैं। रसूख का इस्तेमाल करते हुए श्रीवास्तव ने बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड में काम दिलाने का झांसा देकर दिल्ली के व्यवसायी रावत एसोसिएट के मालिक अशोक रावत से 15 करोड़ रुपये की उगाही कर ली। ठेका ना मिलने और रुपये ना लौटाने पर रावत ने श्रीवास्तव से कई बार संपर्क किया और फिर राशि नहीं लौटाने पर पुलिस में केके श्रीवास्तव और उसके बेटे कंचन श्रीवास्तव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

जांच में हुआ नया खुलासा

अशोक रावत की एफआईआर के बाद पुलिस की जांच में पता चला कि श्रीवास्तव ने ईडब्ल्यूएस के मकान में रहने वाले गरीबों के बैंक अकाउंट के जरिए 300 करोड़ रुपयों का लेनदेन किया है। इस मामले की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने इसे आयकर विभाग के सुपुर्द कर दिया है।

सर्वे के नाम पर गरीबों को दिया झांसा

अभी तक की जांच में जो खुलासा हुआ है उसके मुताबिक केके श्रीवास्तव ने गरीबों के खाते खुलवाने के लिए वही तरीका अपनाया जो महादेव सट्टा एप्प के एजेंट करते हैं। बताया जा रहा है कि श्रीवास्तव के कर्मियों ने सर्वे के नाम पर गरीबों के आवासीय इलाकों का दौरा किया और योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके बैंक खाते खुलवाकर अपने पास रख लिए। इन्हीं खातों का इस्तेमाल करोड़ों के लेनदेन में किया गया। स्वाभाविक है कि यह रकम दो नंबर की ही होगी। बताया जा रहा है कि ऐसे खातों में लगभग 300 करोड़ रुपयों का ट्रांजेक्शन हुआ है। धीरे-धीरे इन खातों का राज खुलता जा रहा है।

अधिकारी से बने दलाल

फरारी काट रहे केके श्रीवास्तव अखंड मध्य प्रदेश के दौरान रतनपुर नगर पालिका में सीएमओ (मुख्य नगर पालिका अधिकारी) हुआ करते थे। कार्य के दौरान वित्तीय गड़बड़ी के आरोप में निलंबन और तबादले के बाद श्रीवास्तव का नाम तब प्रकाश में आया जब उसने बिलासपुर को अपना ठिकाना बनाया और तांत्रिक क्रिया के नाम पर खुद को प्रचारित किया। आलम यह था कि श्रीवास्तव के कथित आश्रम में पूर्व सीएम से लेकर बड़े-बड़े नेता, ब्यूरोक्रेट्स और राजनितिक रसूख वाले व्यक्ति तांत्रिक क्रिया के लिए पहुंचने लगे थे। श्रीवास्तव की एक तस्वीर काफी चर्चा में रही जिसमें वे कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी को प्रसाद स्वरूप कोई चीज भेंट कर रहे हैं। वे उन्हें कुछ बता भी रहे हैं।

फ्लाई ऐश परिवहन के ठेके से आया नया मोड़

कांग्रेस की सरकार के आने के पहले तक श्रीवास्तव जमीन की दलाली किया करते थे। उन्होंने कोरबा की एक कोल एन्ड पॉवर एनर्जी से जुडी कंपनी के लिए काम किया और एक नया उद्योग स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर ग्रामीणों की जमीन की खरीदी कराई। भूपेश बघेल की सरकार के आने के बाद केके श्रीवास्तव ने ब्लैक स्मिथ नाम की ट्रांसपोर्ट कंपनी बनाई और अपने रसूख के बूते बालको के पावर प्लांट से फ्लाई ऐश परिवहन का ठेका ले लिया। इस काम में उसने करोड़ों रूपये कमाए। बताया जाता है कि इस दौरान राख के परिवहन के नाम पर काफी उलटे-सीधे काम किये गए और आम लोगों की लाख शिकायत के बावजूद इस कंपनी के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हुई।

पहले किया मजा,अब भुगत रहे

कांग्रेस की पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान काफी रसूख और रुतबा रखने वाले के के श्रीवास्तव राज्य की सत्ता से कांग्रेस के बाहर होते ही ठगी के आरोप में फंस गए हैं,और अब फरारी काट कर रहे हैं। श्रीवास्तव पर 15 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर लिया है। पकड़ में नहीं आने के चलते उसे पुलिस ने अब जाकर भगोड़ा घोषित कर दिया है। वहीं हाई कोर्ट ने भी उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी निरस्त कर दी है।

हालात बता रहे हैं कि केके श्रीवास्तव के और भी बुरे दिन आने वाले हैं। उसके खिलाफ 15 करोड़ के फ्रॉड के बाद गरीबों के खातों में करोड़ों के लेनदेन का मामला भी जांच के बाद खुलेगा, और स्वाभाविक है कि आयकर और श्वष्ठ जैसी एजेंसियां इस मामले में कार्रवाई करेंगी। बहरहाल लोगों को इंतजार है, श्रीवास्तव के पुलिस की गिरफ्त में आने का, जिसके बाद यह पता चलेगा कि उसके खिलाफ और कितने मामलों में एफआईआर दर्ज किया जा रहा है।

बड़ा ठेका दिलाने के नाम पर लिए रूपये

बताया जाता है कि सूबे के पूर्व मुखिया से सीधे संपर्क रखने वाले केके श्रीवास्तव ने लोगों को बड़े-बड़े ठेके दिलवाना शुरू कर दिया था। इसी कड़ी में उसने दिल्ली के अशोक रावत को भी 500 करोड़ रुपयों का काम दिलाने का वादा किया और इसके एवज में 15 करोड़ रूपये ले लिए। मगर उसका दुर्भाग्य रहा कि वह रावत को ठेका दिलवा नहीं सका, और लिए हुए रूपये भी वापस नहीं कर सका। ऐसे में उसकी उलटी गिनती शुरू हो गई।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

स्कूलों में छुट्टी के बावजूद खोले गये स्कूल

10 से ज्यादा स्कूलों को जारी हुआ नोटिस डीईओ ने जारी किया ये निर्देश

रायपुर,08 अक्टूबर 2024(ए)। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नीरज पब्लिक स्कूल पेण्ड्री राजनांदगांव, युगांतर पब्लिक स्कूल पारीं नाला राजनांदगांव, संस्कार सिटी ठाकुरटोला राजनांदगांव, बाल भारती हायर सेकेण्ड्री स्कूल बल्देव बाग राजनांदगांव, वेसलियन हिन्दी मीडियम स्कूल टांकापारा राजनांदगांव, वेसलियन अंग्रेजी मीडियम स्कूल टांकापारा राजनांदगांव, जेएलएम गायत्री विद्यापीठ केशर नगर राजनांदगांव, अजीज पब्लिक स्कूल इंदामरा राजनांदगांव, सेंट पीटर कान्वेंट स्कूल खैरागढ़ रोड डोंगरगढ़, नीरज विद्या मंदिर मोहड़ डोंगरगांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासन द्वारा दशहरा एवं दीपावली अवकाश घोषणा के बाद भी निजी विद्यालयों का संचालित पाया गया। संबंधित विद्यालयों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया है। निजी विद्यालयों को शासन के निर्देशानुसार दशहरा, दीपावली अवकाश का पालन सुनिश्चित करने कहा गया है।

नजूल भूमि घोटाला:करोड़ों की जमीन की अवैध रजिस्ट्री

» दो उप पंजीयकों के निलंबन का प्रस्ताव शासन को प्रेषित

बिलासपुर,08 अक्टूबर 2024(ए)। शहर के बीचो-बीच कुदुदंड इलाके में स्थित 2 एकड़ 13 डिसमिल नजूल भूमि की 54 टुकड़ों में अवैध रजिस्ट्री करने के मामले में दो तत्कालीन उप पंजीयकों लक्ष्मी पांडेय और वीएस मिंज के निलंबन का प्रस्ताव कलेक्टर अवनीश शरण ने शासन को भेजा है। इसके साथ ही इस मामले में जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट में कैविएट भी दायर कर दिया है ताकि जमीन के खरीदारों या अवैध प्लाटिंग करने वालों को स्टे न मिल सके।

स्वास्थ्य अधिकारी की कार गिरी खाई में

गरियाबंद,08 अक्टूबर 2024(ए)। सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ डॉ. सुनील रेड्डी कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे. नेशनल हाइवे 130 सी पर बारूका और कचना धुरवा के बीच में कार गहरे खाई में जा गिरी थी।जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त डॉक्टर रेड्डी अपनी कार खुद चला रहा थे। इस हादसे में उन्हें सामान्य खरोच भर आई है। हादसा साइड देते वक्त अचानक मोड़ में कार के अनियंत्रित होने से हुआ है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए डॉ. रेड्डी घटना स्थल पर बेहोश हो गए थे। होश में आने के बाद उन्होंने खुद जिला अस्पताल में सहयोगी को संपर्क कर मदद के लिए बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

शिक्षक को 16 साल बाद मिला हाईकोर्ट से न्याय

बिलासपुर,08 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में बर्खास्त शिक्षक को आखिरकार न्याय मिल ही गया। लेकिन न्याय भी तब मिला है जब उसकी सेवानिवृत्ति हो गई है। बर्खास्त सहायक शिक्षक ने अपनी बर्खास्ती के बाद से ही न्याय के लिए लड़ाई लड़नी शुरू कर दी थी लगातार न्यायालय में अपना पक्ष रखते हुए न्याय मांगा। लेकिन अंतिम में हाईकोर्ट से न्याय मिला है कोर्ट ने सहायक शिक्षक की पक्ष में फैसला सुनाते हुए सेवानिवृत्त आयु दिनों से पिछला सभी परिणामी लाभ देने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिया है। 16 साल बाद शिक्षक को न्याय मिला है।

हाईकोर्ट ने करदाता के खिलाफ एकपक्षीय मूल्यांकन को ठहराया सही

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 144 के तहत किसी करदाता के खिलाफ एकपक्षीय मूल्यांकन को सही ठहराया है। यह फैसला उस करदाता के खिलाफ लिया गया जिसने न तो मूल्यांकन कार्यवाही में भाग लिया और न ही अपने बैंक खाते में जमा 11 लाख 44 हजार 070 की नकद राशि के स्रोत की संतोषजनक व्याख्या की। जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की पीठ ने कहा कि आयकर अधिनियम की धारा 68 और 69ए के अनुसार यदि कोई करदाता अस्पष्टीकृत नकदी जमा के लिए संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं देता है तो उस राशि को कर योग्य आय के रूप में माना जा सकता है। मामले में करदाता को कई बार नोटिस भेजे गए, परंतु उसने किसी नोटिस का जवाब नहीं दिया और न ही अधिकारियों के सामने पेश हुआ, जिसके कारण यह एकपक्षीय मूल्यांकन हुआ।

मूल्यांकन अधिकारी, आयकर आयुक्त (अपील), और आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने करदाता के खिलाफ फैसला सुनाया, क्योंकि वह अपने दावे को ठोस दस्तावेजी साक्ष्यों से प्रमाणित करने में असमर्थ रहा। करदाता ने आईटीएटी के इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी लेकिन न्यायालय ने आईटीएटी के फैसले की पुष्टि की। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नकद जमा की स्पष्ट व्याख्या करने में करदाता की विफलता के कारण इसे आय के रूप में माना जा सकता है।

निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर हुई अहम बैठक

रायपुर,08 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में अहम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सामान्य प्रशासन विभाग और नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। इस समीक्षा बैठक का उद्देश्य आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को सुचारू और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए तैयारियों का मूल्यांकन करना था। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने परिसीमन और आरक्षण की कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रियाएं चुनाव के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है, जिससे समय पर और निष्पक्ष चुनाव कराया जा सके।

ग्रामीण को नक्सलियों ने उतारा मौत के घाट

बीजापुर,08 अक्टूबर 2024 (ए)। । बीजापुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां नक्सलियों ने एक ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार ये पूरा मामला जिले के पोषड़पल्ली गांव का है। नक्सलियों ने युवक पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगाया है और उन्हें मौत के घाट उतार दिया है।

नक्सली गोली की भाषा छोड़कर आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में जुड़ें

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 23 वर्ष पूरा करने पर दी बधाई...

रायपुर,08 अक्टूबर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मिले। उन्होंने मुलाकात के अवसर पर प्रधानमंत्री को जनसेवा के शानदार 23 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने मुलाकात की जानकारी देते हुए बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। आज उनके मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 23 साल पूरे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी पर तेजी से किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। इसके साथ ही प्रदेश में डबल इंजन की सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक के संबंध में भी बताया। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, डीजीपी आदि उपस्थित थे। बैठक में विस्तार से अच्छी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 महीने में लगातार नक्सल-आतंकवाद के खिलाफ लगातार कार्यवाही की गई। इस लड़ाई में डबल इंजन की सरकार होने का लाभ भी मिला। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस दौरान बहुत से मुठभेड़ हुए जिसमें सुरक्षा बलों के जवानों ने 194 नक्सली मार गिराए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बल लगातार साहस दिखा रहे हैं। हम उन्हें बधाई देते हैं और उनके साहस को नमन करते हैं। 9 महीने के अंदर 801 नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई है और 742 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि जो आत्मसमर्पण कर रहे हैं। उन्हें अच्छी सुविधा प्रदान करें।

गौ हत्या रोकने में मोदी रहे नाकाम

» महात्मा गांधी राष्ट्रपिता नहीं...शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

रायपुर,08 अक्टूबर 2024 (ए)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ी बात कही है। अविमुक्तेश्वरानंद ने गौ हत्या को लेकर पीएम मोदी पर सवाल उठाए हैं। अविमुक्तेश्वरानंद देश में गौ हत्या के खिलाफ मुहिम छेड़े हुए हैं। शंकराचार्य सभी राज्यों में गौ ध्वज स्थापना करने के लिए भारत यात्रा कर रहे हैं। अब तक शंकराचार्य ने 8 राज्यों की यात्रा की है। जिसमें चार राज्यों में उन्हें एंट्री दी गई है। चार राज्यों में उन्हें घुसने नहीं दिया गया। इसके साथ ही अविमुक्तेश्वरानंद ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता मानने से इंकार किया है।

पीएम मोदी को शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती बता चुके हैं एजेंट

इससे पहले अंबिकापुर में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने मोदी को गौ हत्या का एजेंट बताया है। इस सवाल के जवाब में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि साल 2014 में हमने मोदी जी से आशा की थी कि यह व्यक्ति देश में गौ हत्या बंद करेगा. यही सोचकर हमने वोट दिया था और हमें आशा भी थी. लेकिन बिल्कुल भी ऐसा नहीं हुआ।

कवर्धा में लव जिहाद का खुलासा

खुद को हिंदू बताकर लड़कियों से करता था दोस्ती फिर मिटाता था हवस

कवर्धा,08 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले में लव जिहाद का ससनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी खुद को हिंदू बताकर लड़कियों से दोस्ती करता था और फिर जादू-टोना सिखाने के नाम पर दुष्कर्म करता था। इतना ही नहीं पीड़िता का आरोप है कि उनके पति को जेल से छुड़ाने के नाम पर 3 लाख रुपये भी ठग लिए। बता दें कि आरोपी का नाम साहिल खान है लेकिन उसने राजू सिंह के नाम पर फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लव जिहाद, बलात्कार समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी को मध्यप्रदेश के जबलपुर से हिरासत में ले लिया है, जिन्हें कवर्धा लाया जा रहा है।दरअसल, लव जिहाद की शिकार हुई एक पीड़िता ने सिटी थाने कोतवाली थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया है कि 6 महीने पहले चाय की टपरी पर उसकी मुलाकात हुई थी। जहां आरोपी साहिल खान ने उससे बात करने की कोशिश की थी। लेकिन पीड़िता ने उसे भगा दिया, जिसके बाद आरोपी ने उसकी जानकारी जुटाई और घर आया। पीड़िता का पति 307 के मामले में जेल में बंद है। आरोपी ने फायदा उठाते हुए हिंदू रीति- रिवाज से तंत्र- मंत्र करवाने को कहा, जिस पर पीड़िता ने हामी भर दी।आरोपी ने फिर जज को पैसे देने के नाम पर 6 महीने में 3 लाख रुपये भी ठग लिये। कुछ दिन बाद आरोपी साहिल खान फिर उसके घर आया और तंत्र- मंत्र के नाम पर शारीरिक संबंध बनाने को कहा। जिस पर पीड़िता ने मना कर दिया। लेकिन कुछ दिन बाद वह फिर आया और दबाव बनाने लगा कि, मैं उसे छुड़वा लूंगा और शारीरिक संबंध बनाया। तक़रीबन 4- 5 बार उसने संबंध बनाया लेकिन तब भी पीड़िता के पति की रिहाई नहीं हुई। जिसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने 9 करोड़ की चांदी किया जब्त

रायपुर,08 अक्टूबर 2024 (ए)। त्योहारी सीजन से पहले राजधानी रायपुर में बड़ी तस्करी का खुलासा हुआ है। मौदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस की रूटीन चेकिंग के दौरान चांदी की तस्करी का भंडाफोड़ हुआ। मौदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस रूटीन चेकिंग कर रही थी, तभी एक अशोक ले-लैंड वाहन को तलाशी के लिए रोका गया। पुलिस ने वाहन के कार्टून खोले तो वे देखकर हैरान रह गए, क्योंकि इनमें चांदी की सिल्लियां भरी हुई थीं। वाहन में सवार युवक सन्नी कुमार सिंह चांदी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिसके बाद पुलिस ने सभी 51 कार्टूनों को अपने कब्जे में ले लिया। चेकिंग के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में चांदी मिलने के बाद पुलिस ने इसकी सूचना जीएसटी विभाग को दी। जीएसटी की टीम ने मौके पर पहुंचकर 928 किलोग्राम वजन की चांदी को जब्त कर लिया। जब्त चांदी की कीमत करीब 9 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जीएसटी टीम अब मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में चांदी कहां से लाई जा रही थी और इसका असली मालिक कौन है। त्योहारों के सीजन में रायपुर में हुई इस बड़ी कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस और जीएसटी की टीम अब इस मामले की जांच में जुटी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)